यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए अगले 3 दिनों में 26 उड़ानें संचालित करेगी सरकार

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 79 दिनांक: 02-03-2022 बुधवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

रूसी सेना ने यूक्रेन की राजधानी कीव में एक टेलीविजन टावर पर मिसाइल से हमला किया है। घटना की जानकारी देते हुए यूक्रेनिया के गृहमंत्री के सलाहकार एंटोन हेराशेंको ने कहा कि संभावित रूप से इसके सिग्नल को बाधित करने की कोशिश में रूस जुटा हुआ है

यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए अगले 3 दिनों में 26 उड़ानें संचालित करेगी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए अगले तीन दिन में 26 उड़ानें संचालित करेगी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक में यह फैसला किया गया। बैठक के बाद सरकार ने कहा कि यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए अगले तीन दिनों में 26 उड़ानें संचालित की जाएंगी।

रूस के हमलों से बेहाल यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए सरकार ने ऑपरेशन गंगा के तहत कोशिशें तेज कर दी हैं। सरकार की ओर से दी गई जानकारी में कहा गया है कि अगले तीन दिनों में 26 उड़ानें भरी जाएंगी और इसके जरिये भारतीयों को यूक्रेन के पड़ोसी देश रोमानिया, पोलैंड या हंगरी से वापस लाया जाएगा।

इससे पहले, रोमानिया में भारतीय दूतावास ने साफ किया है कि यूक्रेन से आने के बाद रोमानिया से विशेष उड़ान लेने के लिए किसी भारतीय को वीजा की जरूरत नहीं है। भारतीय दूतावास का कहना है कि हमें यूक्रेन से निकासी के बाद रोमानिया में अभी शरण लेने वाले भारतीय छात्रों से कुछ सवाल मिले हैं कि क्या कुछ दिनों के बाद वीजा की जरूरत के मद्देनजर वे वहां से बाहर नहीं निकल सकेंगे।

भारत युद्धग्रस्त देश में फंसे अपने नागरिकों को 27 फरवरी से रोमानिया और हंगरी के रास्ते स्वदेश ला रहा है। रोमानिया और हंगरी यूक्रेन के पड़ोसी देश हैं। यूक्रेन में करीब 14 हजार भारतीय फंसे हैं, जिनमें से अधिकतर छात्र हैं। 'आपरेशन गंगा' को गति देने के लिए प्रधानमंत्री ने भारतीय वायुसेना को इसमें शामिल होने के लिए कहा है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वायुसेना के विमानों के आपरेशन में शामिल होने से भारतीयों के यूक्रेन से लौटने की प्रक्रिया गति पकड़ेगी और उनकी संख्या में भी वृद्धि होगी। साथ ही भारत से भेजी जा रही राहत सामग्री भी तेजी से पहुंचेगी।

प्रधानमंत्री के निर्देश के बाद भारतीय वायुसेना ने भी कहा कि यूक्रेन से अपने नागरिकों को निकालने के लिए जिस तरह की भी जरूरत है, उसके लिए वह तैयार है। हालांकि वायुसेना ने आपरेशन गंगा के तहत अपने विमानों की उड़ान का विस्तृत ब्योरा अभी जारी नहीं किया है। सी-17 ग्लोबमास्टर में एक साथ 300 से 400 लोगों को लाया जा सकता है।

यूक्रेन संकट के बीच बाइडन ने पूर्व अधिकारी को भेजा ताइवान, चीन भड़का

बीजिंग । चीन ने मंगलवार को धमकाने वाले अंदाज में कहा कि ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन करने के लिए अमेरिका को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यूक्रेन संकट के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने देश के पूर्व रक्षा अधिकारी की अगुआई में एक प्रतिनिधिमंडल ताइवान भेजा है। प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को ताइपे पहुंचा है। ताइवान को डर है कि यूक्रेन पर रूस के हमले की तरह चीन भी उसके खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और इस पर बलपूर्वक कब्जे की धमकी दे चुका है।

दरअसल, पश्चिम की प्रतिक्रियाओं को चीन काफी करीब से मानिटर कर रहा है ताकि ताइवान के प्रति वह अपने नापाक मंसूबों को पूरा करने में कामयाब हो सके। इस क्रम में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से ताइवान के डिफेंस आइडेंटीफिकेशन जोन (ADIZ) में एयर पेट्रोलिंग कर रहा है। उदाहरण के लिए पिछले साल 950 सार्टी उतारे गए जो 2020 की तुलना में दोगुने से भी अधिक थे। खबर है कि अमेरिका का एक युद्धपोत शनिवार को ताइवान के समीप से गुजरा था। यूक्रेन संकट के बीच हुई इस घटना पर चीन ने गहरी नाराजगी जाहिर की थी।

अमेरिका के ज्वाइंट चीफ आफ स्टाफ के पूर्व चेयरमैन माइकल मुलेन की अगुआई में पहुंचा प्रतिनिधिमंडल दो दिनों की यात्रा में ताइवान राष्ट्रपति त्साइ इंग-वेन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेगा। ताइवान विदेश मंत्रालय ने कहा कि पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोंपियो भी बुधवार को ताइवान पहुंच रहे हैं। चीन ने मंगलवार को धमकाने वाले अंदाज में कहा कि ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन करने के लिए अमेरिका को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यूक्रेन संकट के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने देश के पूर्व रक्षा अधिकारी की अगुआई में एक प्रतिनिधिमंडल ताइवान भेजा है।

कीव स्थित टेलीविजन टावर पर रूस ने मिसाइल से किया हमला, खार्किव के आवासीय क्षेत्र में बमबारी से मरे आठ लोग

कीव । रूस के यूक्रेन पर पर हमले का मंगलवार को छठा दिन रहा। रूसी सेना यूक्रेन के कई शहरों में बमबारी और सड़क पर गोलीबारी कर रही है। इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति के सलाहकार ओलेक्सी एरेस्टोविच ने कहा कि रूसी सेना कीव और यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े उत्तरपूर्वी शहर खार्किव को घेरने की कोशिश कर रही है। एरेस्टोविच ने एक टेलीविजन ब्रीफिंग में कहा कि रूसी सैनिकों ने कीव, खार्किव और दक्षिणी बंदरगाह शहर मारियुपोल में रातभर बमबारी की है। इसके जवाब में यूक्रेनी सेना ने राजधानी के आसपास रूसी सैन्य विमानों को मार गिराया है। एरेस्टोविच ने मौजूदा स्थिति को नियंत्रण में बताया है। रूसी सेना ने यूक्रेन की राजधानी कीव में एक टेलीविजन टावर पर मिसाइल से हमला किया है। घटना की जानकारी देते हुए यूक्रेनिया के गृहमंत्री के सलाहकार एंटोन हेराशेंको ने कहा कि संभावित रूप से इसके सिग्नल को बाधित करने की कोशिश में रूस जुटा हुआ है। वहीं, खार्किव के आवासीय क्षेत्र पर रूसी हवाई हमले में आठ मारे गए हैं।

आपरेशन गंगा के तहत यूक्रेन में फंसे भारतीयों को यूक्रेन से निकाला जा रहा है। भारत सरकार ने चार केंद्रीय मंत्रियों को इन भारतीय छात्रों की निकासी को लेकर यूक्रेन और उनके आस पास के देशों में भेजा है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह ने पोलैंड के वारसा में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में रह रहे 80 भारतीय छात्रों से मुलाकात की है। ये सभी छात्र यूक्रेन से यहां पहुंचे हैं। अब भारत सरकार इन सभी छात्रों को आपरेशन गंगा के तहत स्वदेश वापस लाएगी। संयुक्त राष्ट्र ने मंगलवार को कहा कि रूस द्वारा पिछले सप्ताह यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से 13 बच्चों सहित कम से कम 136 नागरिक मारे गए हैं और 400 घायल हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (ध्र्फ्रिं) के प्रवक्ता लिज थ्रोसेल ने एक ब्रीफिंग में कहा कि यह संख्या और अधिक होने की संभावना है। हताहतों में से 253 पूर्वी यूक्रेन में डोनेट्स्क और लुगांस्क क्षेत्र शामिल हैं।

अमेरिका ने सोमवार को 12 रूसी राजनयिकों को जासूसी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में देश से निष्कासित कर दिया है। यूएन में अमेरिकी राजदूत की प्रवक्ता ओलिविया डाल्टन ने कहा कि यूएस ने रूसी मिशन को सूचित किया है कि हम रूसी मिशन से 12 खुफिया गुर्गों को निकालने की प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं, जिन्होंने जासूसी गतिविधियों में शामिल होकर अमेरिका में निवास के अपने विशेषाधिकारों का दुरुपयोग किया है जो हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रतिकूल हैं। खार्किव के सेंट्रेल स्कावयर में मौजूद क्षेत्रीय राज्य प्रशासन भवन को रूसी सेना ने उड़ा दिया है। ताजा जानकारी के अनुसार इस हमले में छह लोग घायल हुए हैं, जिसमें 1 बच्चा भी शामिल है।

रेड क्रास एजेंसी ने यूक्रेन में लाखों लोगों को भोजन, पानी और आश्रय प्रदान करने के लिए मंगलवार को 250 मिलियन स्विस फ्रैंक (273 मिलियन डालर) की अपील की है। रेड क्रास ने ये अपील तब की है जब यूक्रेन में मानवीय स्थिति तेजी से बिगड़ रही है और डर की वजह से लोग देश छोड़कर भाग रहे हैं। बता दें कि रेड क्रास की अंतर्राष्ट्रीय समिति (आइसीआरसी) और इंटरनेशनल फेडरेशन आफ रेड क्रास और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज दुनिया का सबसे बड़ा आपदा राहत नेटवर्क है।

खार्किव में भारतीय छात्र की मौत सरकार ने यूक्रेन और रूस के राजदूत को जारी किया समन

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूसी हमले का सीधा असर भारत पर भी दिखने लगा है। यूक्रेन में छिड़ी जंग में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई है। छात्र की पहचान कर्नाटक के रहने वाले नवीन के तौर पर हुई है। मामले को लेकर भारत सरकार ने यूक्रेन और रूस के राजदूत को समन जारी किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट कर कहा है कि विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला रूस और यूक्रेन के राजदूतों से भारतीय नागरिकों के लिए तत्काल सुरक्षित मार्ग की हमारी मांग को दोहराने के लिए बुला रहे हैं जो अभी भी खार्किव और अन्य संघर्ष क्षेत्रों में शहरों में हैं। उन्होंने बताया है कि इसी तरह की कार्रवाई रूस और यूक्रेन में हमारे राजदूतों द्वारा भी की जा रही है। बागची ने नवीन को लेकर ट्वीट कर कहा, 'हम बेहद दुख के साथ इस बात की पुष्टि करते हैं कि एक भारतीय छात्र को खारकीव में आज सुबह गोलीबारी में अपनी जान गंवानी पड़ी है। मंत्रालय मृतक छात्र के परिवार के संपर्क में है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि खार्किव में बिगड़ते हालात चिंता

का कारण है। खार्किव में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम यूक्रेन में फंसे अपने नागरिकों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करना जारी रखेंगे। मंत्रालय ने कहा है कि हमने पहले ही रूसी और यूक्रेनी दूतावासों के साथ खार्किव और संघर्ष क्षेत्रों के अन्य शहरों से छात्रों सहित भारतीय नागरिकों के लिए सुरक्षित मार्ग की आवश्यकता को उठाया था। 9000 से अधिक भारतीय नागरिकों को यूक्रेन से बाहर लाया गया है जबकि काफी संख्या में अब सुरक्षित क्षेत्रों में हैं। ऐसे में जरूरी है कि रूस और यूक्रेन सुरक्षित रास्ते को लेकर हमारी आवश्यकता पर तत्काल प्रतिक्रिया दें।

रूस-यूक्रेन युद्ध : अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने दिया भरोसा, बोले- परमाणु युद्ध की चिंता न करें लोग

वाशिंगटन। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने इस संबंध में पुतिन के बयान को अनावश्यक और उकसाने वाला बताया। उन्होंने कहा, हम उस घोषणा की समीक्षा और विश्लेषण कर रहे हैं। युद्ध के दिग्गज और सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के सदस्य सीनेटर जोनी अर्न्स्ट ने परमाणु हथियारों पर उनकी टिप्पणियों के लिए पुतिन की खिंचाई की। राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि यूक्रेन पर रूसी हमले को लेकर पश्चिमी प्रतिशोध के बीच मॉस्को द्वारा अपने परमाणु निवारक को हाई अलर्ट पर रखने के बावजूद अमेरिकियों को परमाणु युद्ध के बारे में चिंता नहीं करनी चाहिए। जब बाइडन से पूछा गया कि क्या अमेरिकी नागरिकों को परमाणु युद्ध छिड़ने के बारे में चिंतित होना चाहिए, बाइडेन ने कहा, 'नहीं'।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा कि व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने पहले दिन में कहा था कि अमेरिका को इस समय अपने परमाणु चेतावनी स्तरों को बदलने का कोई कारण नहीं दिखता है। उन्होंने कहा, लेकिन यह भी याद रखना महत्वपूर्ण है कि पिछले कई महीनों और वर्षों के दौरान, जब रूस के साथ कई मुद्दों पर हमारी महत्वपूर्ण असहमति रही है, दोनों देश परमाणु उपयोग को लेकर मानते रहे हैं कि इसके नतीजे विनाशकारी होंगे। उसने कई बार कहा है कि परमाणु युद्ध नहीं जीता जा सकता है और इसे कभी नहीं लड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, न तो अमेरिका और न ही नाटो की रूस के साथ संघर्ष की कोई इच्छा है और हमें लगता है कि परमाणु हथियारों के बारे में इस तरह की भड़काऊ बयानबाजी खतरनाक है। यह जोखिम बढ़ाती है, इससे बचना चाहिए और हम इसमें शामिल नहीं होंगे।

पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने इस संबंध में पुतिन के बयान को अनावश्यक और उकसाने वाला बताया। उन्होंने कहा, हम उस घोषणा की समीक्षा और विश्लेषण कर रहे हैं। युद्ध के दिग्गज और सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के सदस्य सीनेटर जोनी अर्न्स्ट ने परमाणु हथियारों पर उनकी टिप्पणियों के लिए पुतिन की खिंचाई की। उन्होंने बताया, यह एक तबाही होगी और यह रूसी संघ का अंत होगा। दुनिया परमाणु युद्ध को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगी। सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के रैंकिंग सदस्य सीनेटर जिम इनहोफे ने पुतिन से परमाणु हमले और इस युद्ध को खत्म करने की अपनी धमकियों को वापस लेने की अपील की। अमेरिका स्थित एक धर्मार्थ गैर-लाभकारी संगठन (एनजीओ) ने युद्ध से तबाह यूक्रेन में फंसे अंतरराष्ट्रीय छात्रों को निकटतम सीमा चौकी तक पहुंचाने और उनकी यात्रा के लिए भोजन और अन्य आवश्यक आपूर्ति की व्यवस्था करने में मदद के लिए एक हेल्पलाइन शुरू की है। एक स्वतंत्र भागीदार संगठन 'सेवा यूरोप' और हिंदू स्वयंसेवक संघ (एचएसएस) वर्तमान में दस यूक्रेनी शहरों में काम कर रहे हैं। सेवा इंटरनेशनल की हेल्पलाइन पर अब तक 4000 से ज्यादा छात्र पंजीकरण करा चुके हैं। संगठन ने कहा, उसके स्वयंसेवक 400 और लोगों को निकालने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं।

एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि सेवा इंटरनेशनल ने भी यूक्रेनी राहत प्रयासों के लिए 10,000 अमेरिकी डॉलर जारी किए हैं और इस मानवीय संकट में फंसे लोगों की मदद के लिए फेसबुक पर धन जुटाने के वास्ते अभियान शुरू किया है। सेवा इंटरनेशनल, अमेरिका के अध्यक्ष अरुण कंकानी ने कहा, युद्ध क्षेत्र से जो संदेश और वीडियो मिल रहे हैं, वे लोगों के डर, चिंता व खतरे को दिखाते हैं क्योंकि वे सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिये प्रयासरत हैं। अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत (आईसीसी) के मुख्य अभियोजक ने कहा कि उनकी यूक्रेन में मानवता के खिलाफ संभावित युद्ध अपराधों और अन्य अपराधों की जल्द से जल्द जांच शुरू करने की योजना है। अभियोजक करीम खान ने कहा कि जांच में रूसी हमले के पहले किए गए कथित अपराधों की जांच की जाएगी। आईसीसी के मुख्य अभियोजक करीम खान ने कहा, हालिया दिनों में संघर्ष के विस्तार के मद्देनजर मेरा इरादा है कि इस जांच में यूक्रेन के किसी भी हिस्से में संघर्ष के किसी भी पक्ष द्वारा किए गए उन कथित अपराधों को भी शामिल किया जाएगा, जो मेरे कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।

ऑपरेशन गंगा में 182 भारतीय नागरिकों को लेकर 7वीं उड़ान मुंबई पहुंची

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित लाने के लिए भारत सरकार के ऑपरेशन गंगा के हिस्से के रूप में सातवीं उड़ान द्वारा यूक्रेन से 182 भारतीय नागरिकों को भारत वापस लाया गया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस की विशेष उड़ान आज सुबह मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री नारायण राणे ने हवाई अड्डे पर वहां से लाए गए लोगों का स्वागत किया, जिनमें से अधिकांश छात्र थे। नारायण राणे ने कहा कि सरकार यूक्रेन से सभी भारतीयों को वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने छात्रों को आश्वासन दिया कि यूक्रेन में उनके दोस्तों और सहयोगियों को भी जल्द ही सुरक्षित रूप से निकाल कर लाया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि युद्धग्रस्त क्षेत्र से लौटने के बाद छात्र घबराहट महसूस कर रहे थे तथा चिंतित थे और उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि वे अब सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें घर पहुंचने के लिए सभी आवश्यक सहायता संबंधित राज्यों द्वारा प्रदान की जाएगी। मातृभूमि तक पहुंचकर और परिवारों से मुलाकात कर छात्रों ने सरकार के प्रति आभार जताया। विभिन्न राज्य सरकारों ने छात्रों की सुविधा के लिए मुंबई हवाई अड्डे पर एक हेल्पडेस्क स्थापित किया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान ने हेनरी कोंडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, बुखारेस्ट से सोमवार को रात 11.10 बजे (आईएसटी) उड़ान भरी थी और कुवैत में ईंधन भरने के लिए थोड़ी देर रुकने के बाद आज सुबह 7.05 बजे मुंबई पहुंची। यह सुरक्षित निकासी के ठऑपरेशन गंगाठ मिशन के तहत संचालित 7वीं उड़ान थी।

कुशीनगर में स्वामी प्रसाद मौर्य के काफिले पर हमला, 13 वाहन क्षतिग्रस्त, दस घायल

कुशीनगर । कुशीनगर के फाजिलनगर विधानसभा क्षेत्र के विशुनपुरा थाना क्षेत्र के गांव चाफ के टोला खलवा पट्टी में भाजपा व सपा कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। जमकर ईंट-पत्थर चले जिसमें 10 से अधिक घायल हुए हैं और 13 वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। विरोध में सपा प्रत्याशी पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रसाद मौर्य भाजपा कार्यकर्ताओं पर आरोप लगाते हुए तमकुही-पडरौना मार्ग पर धरना शुरू किया तो दूसरी ओर उनकी पुत्री भाजपा सांसद संघ मित्रा ने भाजपा कार्यकर्ताओं को गुंडा बताते हुए पिता को जिताने की अपील सार्वजनिक रूप से कर पार्टी से बगावत का सुर फूंक दिया। इससे सियासत मतदान से दो दिन पूर्व पूरी तरह से गरम हो गई। देर शाम वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं।

खलवापट्टी में भाजपा कार्यकर्ता प्रचार-प्रसार कर रहे थे। इस दौरान रोड शो करते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य का काफिला गांव में पहुंचा। अचानक ईंट-पत्थर चलने लगे। भगदड़ मच गई। विरोध में सपा प्रत्याशी मौर्य समर्थकों संग गांव के बाहर तमकुही-पडरौना मार्ग को जाम कर धरना शुरू कर दिए। एसएचओ नरेंद्र प्रताप राय मौके पर पहुंचे। अधिकारियों को सूचना दी। विवाद की खबर पर एडीएम देवी दयाल वर्मा, एएसपी रितेश कुमार सिंह भी आ गए। अधिकारियों ने पूर्व मंत्री से वार्ता कर धरने को समाप्त करने की मांग की। इधर भाजपा कार्यकर्ताओं से विवाद की जानकारी मिलते ही भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्र कुशवाहा तुर्कपट्टी थाने के नोनियापट्टी चौराहे पर धरना शुरू कर दिए।

सपा प्रत्याशी पर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की। देवरिया सांसद रमापति राम त्रिपाठी मौके पर पहुंच गए। सांसद ने उच्चाधिकारियों से वार्ता कर मामले की जानकारी दी। इसके बाद भाजपा प्रत्याशी का धरना समाप्त कराया। भाजपा प्रत्याशी संग विधायक गंगा सिंह कुशवाहा, राजेश जायसवाल, विनय तिवारी, इंद्रजीत कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

यूक्रेन में बदतर हो रहे हालात भारतीयों को ट्रेन पर चढ़ने की अनुमति नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। युद्ध प्रभावित यूक्रेन में हालात दिन पर दिन बदतर होते जा रहे हैं। यूक्रेन के खारकीव शहर में मंगलवार सुबह गोलाबारी में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इस बीच यूक्रेन में भारतीय दूतावास द्वारा सभी भारतीय नागरिकों को शहर छोड़ने के आदेश जारी किए जाने के कुछ घंटे बाद वोकजल रेलवे स्टेशन पर फंसी एक भारतीय छात्रा ने मंगलवार को एक वीडियो जारी किया। इस वीडियो में उसने कहा कि भारतीय छात्रों और अन्य विदेशी नागरिकों को ट्रेनों पर चढ़ने की अनुमति नहीं दी जा रही है। छात्रा अंश पंडिता ने वीडियो में कहा, ठभारतीय दूतावास की सलाह के बाद भारतीय छात्र रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां स्टेशन पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने भारतीय और दूसरे देशों के नागरिकों को रोक लिया। मैं आपको दिखा सकती हूं कि यहां कितनी भीड़ है और यहां धक्का-मुक्की हो रही है। छात्रा ने कहा, ठहमने यहां तिरंगा भी लगा दिया है। यहां हर कोई डरा हुआ है। हमें आशा है कि भारतीय दूतावास हमें बाहर निकाल लेगा, हम जल्द से जल्द अपने घरों को लौटना चाहते हैं। हम भारतीय दूतावास से अपील करते हैं कि वह हमें बाहर निकालें। बता दें कि ये खबरें ऐसे समय में आ रही हैं जब यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने मंगलवार को छात्रों सहित सभी भारतीयों को उपलब्ध ट्रेन या किसी अन्य माध्यम से आज तत्काल कीव छोड़ने का सुझाव दिया है। दूतावास ने ट्वीट किया, '' कीव में भारतीयों के लिये परामर्श छात्रों सहित सभी भारतीयों को सलाह दी जाती है कि वे आज तत्काल कीव छोड़ दें । उपलब्ध ट्रेन या किसी अन्य उपलब्ध माध्यम के जरिये । यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद युद्धग्रस्त देश का हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण भारत वहां फंसे अपने नागरिकों को रोमानिया, हंगरी, पोलैंड और स्लोवाकिया से लगी उसकी (यूक्रेन की) सीमा चौकियों के जरिए वहां से बाहर निकाल रहा है।

सपा और बसपा ने अंदरखाने भाजपा से समझौता कर लिया : प्रियंका गांधी वाड्रा

सिद्धार्थनगर (ईएमएस)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी से अंदरखाने समझौता करने का आरोप लगाकर कहा कि अपने खिलाफ जांच के डर से इन दोनों दलों ने पिछले पांच वर्षों के दौरान भाजपा सरकार के अत्याचारों के खिलाफ आवाज नहीं उठाई। प्रियंका ने आरोप लगाया, यह समाजवादी दल और बसपा, भाजपा से समझौता किए हुए हैं। आप इस गलतफहमी में मत रहिए कि अगर इनकी सरकार बन भी गई,तब वे भाजपा का सामना कर पाएंगेठ

कांग्रेस महासचिव ने कहा, सपा और बसपा ने योगी सरकार की नीतियों के खिलाफ पिछले सालों में कुछ किया ही नहीं है। उन्हें डर है कि एक जांच हो जाएगी, कोई एजेंसी पीछे लग जाएगी तब चुप हो जाएंगे, दुबक जाएंगे अपने कमरों में। उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसी कोई जंग नहीं है, जो बिना लड़े जीती गई हो। यहां तो यह राजनीतिक दल आपस में लड़ ही नहीं रहे हैं।

प्रियंका ने संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ हुए आंदोलन के दौरान कथित रूप से पुलिस की गोली से कई लोगों के मारे जाने का जिक्र कर कहा कि सपा और बसपा का कोई नेता उनके परिवारों से मिलने नहीं गया। उन्होंने कहा कि सिर्फ कांग्रेस ने ही उनकी सुध ली और इस तरह जब आगरा में दलित अरुण वाल्मीकि और उसके परिवार को पुलिस ने बेरहमी से पीटा और हाथरस में एक लड़की की बलात्कार के बाद मौत हो गई और प्रशासन ने उसके शव को जबरन जलवा दिया, तब भी सपा और बसपा का कोई नेता उनके यहां नहीं गया। प्रियंका ने जनता पर जाति और धर्म की राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाकर उन्हें आंखें खोलने की सलाह देकर कहा, जब अत्याचार आपके पास आया, तब क्या उसने पूछा कि आप की क्या जाति और धर्म है। जब महंगाई और बेरोजगारी आती है,तब क्या वह पूछती है कि आपकी धर्म और जाति क्या है?,तब यह राजनीतिक दलों के नेता आप से जाति और धर्म की बात क्यों करते हैंठ

कांग्रेस महासचिव ने कहा ठदूसरी पार्टियों के नेता जनता के मंचो पर खड़े होकर पाकिस्तान, आतंकवाद, बुलडोजर और यहां तक कि रूस और यूक्रेन की बातें भी क्यों कर रहे हैं।''उन्होंने पूछा कि क्या इससे आपको रोजी-रोटी मिल रही है, क्या आपकी तरक्की हो रही है? आप आंखें खोल लीजिए। तरक्की सिर्फ इन्हीं लोगों की हो रही हैठ उन्होंने कहा, ''जनता के लिए संघर्ष सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस पार्टी ने किया है। सिर्फ कांग्रेस ही आपके लिए सड़क पर उतरी। कांग्रेस ने आपका धर्म और जाति नहीं पूछी।'' प्रियंका ने जाति और धर्म के आधार पर चुने जाने वाले नेताओं की तुलना किसी निकम्मे लड़के से करते हुए जनता से कहा, ठआपने जाति धर्म के आधार पर वोट देकर ऐसे नेताओं की आदत डाल दी है।

राजनीति में इतनी घृणा भी अच्छी नहीं होती राजा भैया का अखिलेश यादव पर पलटवार

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के बीच प्रतापगढ़ की कुंडा विधानसभा सीट से बाहुबली विधायक राजा भैया और सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के बीच सियासी घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। दरअसल, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के हाल ही में अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर राजा भैया ने पलटवार किया है। कुंडा विधानसभा सीट पर मतदान के बाद अखिलेश यादव एक वीडियो साझा कर वोटिंग को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। इसके बाद राजा भैया ने ट्वीट कर अखिलेश यादव द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो को फेक बताया है और कहा कि यह हरियाणा का वीडियो है, जो 2019 का है। राजा भैया ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा, 'आदरणीय अखिलेश यादव जी, आप सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और वरिष्ठ राजनेता भी, उक्त वीडियो 2019 के चुनाव का हरियाणा का है, जिसे आप कुंडा का बताकर चुनाव निरस्त कराने की मांग कर रहे हैं राजनीति में इतनी घृणा भी अच्छी नहीं होती। इससे पहले अखिलेश ने कुंडा विधानसभा में चुनाव रद्द करने की मांग की थी, मगर कल ही पोस्ट किए गए वीडियो वाले ट्वीट को कुछ ही घंटों में अखिलेश ने डिलीट कर दिया। लेकिन राजा भैया ने आज स्क्रीनशॉट लगाकर राजा भैया ने अपने ट्विटर अकाउंट से अखिलेश यादव पर निशाना साधा। कुंडा में पांचवें चरण में वोटिंग हुई है। प्रतापगढ़ के कुंडा को कथित तौर पर ताकतवर कुंवर रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया का गढ़ माना जता है। यहां दशकों से 'राजा बनाम अन्य' की लड़ाई चली आ रही है। इस चुनाव में यहां की लड़ाई को 'ठाकुर बनाम यादव' बनाने की कोशिश की जा रही है। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि वर्षों बाद समाजवादी पार्टी ने राजा भैया के पूर्व सहयोगी गुलशन यादव को चुनावी अखाड़े में उतारा है। सपा अपने यादव-मुस्लिम समीकरण पर काफी हद तक भरोसा करते हुए समर्थन हासिल करने की पूरी कोशिश कर रही है। इस निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 3.51 लाख मतदाता हैं। यहां सबसे प्रभावशाली गुट यादवों का है। इनकी संख्या 80,000 के करीब है। इसके बाद यहां ब्राह्मण और पटेल हैं। इस सीट पर केवल 10,000 ठाकुर हैं। राजा भैया ने 2017 में 1.35 लाख से अधिक वोटों से जीत हासिल की थी।

रूसी विदेश मंत्री सर्गी लैवरोव के संबोधन का अनेक देशों ने बहिष्कार किया

जिनेवा (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूस के हमले के विरोध में मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) की जिनेवा निरस्त्रीकरण सम्मेलन में रूसी विदेश मंत्री सर्गी लैवरोव के संबोधन का अनेक देशों ने बहिष्कार किया। इस दौरान दर्जनों राजनयिक कक्ष छोड़ कर चले गए। इनमें ब्रिटेन, अमेरिका और फ्रांस के राजनयिक भी शामिल थे।

लैवरोव ने अपने संबोधन में युद्ध के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार बताया और दावा किया कि कीव परमाणु हथियार बनाना चाहता है। यह असली खतरा है और रूस की प्रतिक्रिया जरूरी है।

लैवरोव का संबोधन शुरू होते ही कई राजनयिक बाहर चले गए और उनके संबोधन के दौरान कक्ष के बाहर घेरा बनाए और यूक्रेन का ध्वज थामे खड़े रहे। लैवरोव को इस सत्र में निजी तौर पर शामिल होना था लेकिन उनकी यात्रा रद्द हो गई थी। रूस ने यूरोपीय संघ के देशों के प्रतिबंधों को रूस विरोधी बताया है।

रूसी विदेश मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की की सरकार अपने खुद के परमाणु हथियार हासिल करने की योजना बना रही है। इससे उसके पड़ोसी देशों और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के पास अभी भी सोवियत परमाणु प्रौद्योगिकी है।

दूसरी ओर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की ने आज यूरोपीय संसद को संबोधित किया। यहां उन्होंने अपने संबोधन से यूरोपीय संसद का दिल जीत लिया। उनके भाषण के बाद सभी सांसदों ने खड़े होकर उनके लिए ताली बजाई। जेलेंस्की ने कहा कि हम अपनी भूमि और अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस तथ्य के बावजूद कि हमारे सभी शहर अब अवरुद्ध हैं। कोई भी हमें तोड़ने वाला नहीं है, हम मजबूत हैं, हम यूक्रेनियन हैं। जेलेंस्की ने कहा कि यूरोपीय संसद को हर हालत में यह साबित करना चाहिए कि वह यूक्रेन के साथ है। उन्होंने कहा कि आपके बिना यूक्रेन अकेला पड़ जाएगा।

कार्टून कोना

यूक्

जन हितैषी

हमले का अंजाम

यूक्रेन पर रूस के हमले का अंजाम नहीं दिख रहा है। रूस की भारी बमबारी के बीच यूक्रेन को अमेरिका और यूरोप से सामरिक मदद मिलने लगी है। साथ ही रूस की वित्तीय घेराबंदी भी की जा रही है। वहीं, यूक्रेन के लोग भी रूस से दो-दो हाथ करने के लिए आगे आ रहे हैं। दो दिन के भीतर एक लाख लोगों ने हथियार उठा लिए हैं। हमले में दोनों देशों को खासा नुकसान पहुंचा है। अब तक कोई कम पड़ता नहीं दिखा है। इन सबका असर पुतिन पर पडऩा लाजिमी है। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि मौजूदा हालात में कई संभावित नतीजे निकल सकते हैं। रूस पर लगाए गए प्रतिबंध और यूक्रेन का प्रतिरोध राष्ट्रपति पुतिन के लिए मुश्किल हालात पैदा कर सकता है। एक-दो हफ्ते की लड़ाई के बाद यूक्रेन और रूस संघर्ष-विराम के लिए तैयार हो सकते हैं। रूस यूक्रेन से पीछे हट जाएगा, क्रीमिया रूस के पास ही रहेगा और डोनबास क्षेत्र (लुहांस्क और डोनेट्स्क प्रांत) यूक्रेन के नियंत्रण के बाहर हो जाएगा। यूक्रेन के सामने दो परिस्थितियां होंगी। वो फिनलैंड की तरह तटस्थ रहेगा या फिर नाटो में शामिल होने के लिए गिड़गिड़ाएगा। अगर ऐसा नहीं होता है तो नाइपर नदी के दोनों तरफ दोनों पक्ष डट जाएंगे। रूस का पूर्वी यूक्रेन और क्रीमिया पर पूर्ण नियंत्रण हो जाएगा। तनाव बरकरार रहेगा। पश्चिमी यूक्रेन कमजोर हो जाएगा और वह नाटो का हिस्सा बनने के लिए मिन्नतें करेगा। हो सकता है कि रूस जीत जाए, लेकिन यूक्रेन के पश्चिमी इलाके और अहम शहरों में पब्लिक रेजिस्टेंस गुरिल्ला युद्ध की शक्ल ले लेगा। ऐसे में बहुत खूनखराबा होगा। अगर यूक्रेन जीता भी तो कम से कम एक जेनरेशन पीछे चला जाएगा। ऐसा भी हो सकता है कि रूस की सीधी जीत हो जाए। पूरा यूक्रेन उसके नियंत्रण में आ जाए या वह पूर्वी यूक्रेन को अपनी टेरिटरी में शामिल कर ले और पश्चिम यूक्रेन में अपने प्रभाव वाली सरकार बना दे। कुछ भी हो, लेकिन एक बात तय है कि रूस दुनिया में पहले से ज्यादा अलग-थलग हो जाएगा और उस पर प्रतिबंध और कड़े हो जाएंगे। रूस एक नाकाम राष्ट्र में भी बदल सकता है। सवाल यह है कि यूक्रेन को लेकर पुतिन अपना लक्ष्य हासिल कर भी लें तो वो युद्ध के नतीजों से कैसे निपटेंगे? यूक्रेन युद्ध के बाद ग्लोबल डिप्लोमैसी बदल जाएगी। यह नए शीतयुद्ध की शुरुआत भी हो सकती है। अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। एक आशा दिखाई दे रही है, क्योंकि अभी तक रूस का आक्रमण उसकी उम्मीदों के मुताबिक धीमा और कुंद रहा है। चिंता की बात ये है कि कहीं पुतिन अपने फैसले को सही ठहराने के लिए हमले और तेज न कर दें। कहीं वो युद्ध के नियम न बदल दें, जिससे आम लोगों के जीवन पर खतरा और अधिक बढ़ सकता है। अमेरिका पहले से ही यूक्रेन की मदद कर रहा है। अमेरिका पिछले कई महीने से यूक्रेन को एंटी-टैंक मिसाइलें और सैन्य सहयोग दे रहा है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आज ही यूक्रेन के लिए 35 करोड़ डॉलर के हथियार भेजने की अनुमति दी है। कई यूरोपीय देश भी सहयोग बढ़ा रहे हैं। लड़ाकू विमान भी भेज रहे हैं। ये बड़ी बात है कि यूक्रेन के लिए ये रक्षा सहयोग खुलेआम दिया जा रहा है। कोई इस तथ्य को छुपा नहीं रहा है कि वो यूक्रेन की तरफ से लडऩे के लिए सैनिक भेज रहा है, जो रूस के खिलाफ लड़ेंगे। अमेरिका खुलकर यूक्रेन का साथ दे रहा है, इसका एक पहलू ये भी है कि इससे रूस पर दबाव भी बनेगा। रूस पर प्रतिबंधों को लागू करने में यूरोपीय संघ का सहयोग जरूरी है। अमेरिका ने रूस के खिलाफ आर्थिक मोर्चे पर युद्ध छेड़ दिया है और यूरोपीय संघ इसमें सबसे अधिक एक्टिव है। रूस को फिलहाल एक साथ कई मोर्चे पर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। जहां एक और युद्ध पर हर दिन 1.12 लाख करोड़ रुपए खर्च हो रहा है, वहीं रूस की करेंसी रूबल इस महीने 10त्न तक कमजोर हो चुकी है। पश्चिमी देशों ने रूस के साथ डॉलर-यूरो-पाउंड में कारोबार बैन कर दिया है। ऐसे में रूबल अभी और गिर सकता है।

अरविंद दिग्विजय नेगी की गिरफ्तारी से एक बार फिर खाकी शर्मसार

हिमाचल प्रदेश के वरिष्ठ आईपीएस अफसर अरविंद दिग्विजय नेगी की गिरफ्तारी के बाद सूबे में नई बहस छिड़ी है। कई लोग इस मामले के उजागर होने के बाद हैरान हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी पुलिस अफसर पर प्रदेश में कार्रवाई हुई हो। इससे पहले भी बहुचर्चित गुडिया कांड में नौ पुलिस अधिकारी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। जिनमें आईजी रैंक के पुलिस अफसर जहूर जैदी भी शामिल हैं। अब अरविंद दिग्विजय नेगी की गिरफ्तारी ने एक बार फिर खाकी को शर्मसार किया है। वर्ष 2011 बैच के आईपीएस अधिकारी अरविंद दिग्विजय नेगी अब जिस तरह से राष्ट्रदोह के एक गंभीर आरोप में फंसे हैं, उससे हिमाचल पुलिस का एक बार फिर सिर नीचा हुआ है। गैलेंटरी अवार्ड मिलने के बाद इसी अफसर ने कभी हिमाचल पुलिस का सीना चौड़ा किया था। आज हर कोई स्तब्ध है। एनआईए ने 6 नवंबर, 2021 को नेगी के खिलाफ एक मामला दर्ज किया था। जांच में पता चला कि एनआईए के कुछ गोपनीय दस्तावेज लीक करने में नेगी की भूमिका अहम थी। नेगी एनआईए में पूर्व में टॉप इन्वेस्टिगेटर भी रह चुके हैं। नेगी ने कश्मीर घाटी में जिस ओवर ग्राउंड वर्कर परवेज खुर्रम के घर पहली बार छापा मारा था, उसी को आतंकी संगठन लश्कर-ए-ताइबा से जुड़े गोपनीय दस्तावेज सौंप सौदेबाजी कर ली थी। इसी वजह से वह एनआईए के राडार पर आ गए थे। इसे पैसे का लालच मानें या कुछ ओर नेगी की गिरफतारी के बाद कई सवाल उठ खडे हुये हैं।

दरअसल, 6 नवंबर 2021 को देश में आतंकी गतिविधियों में मदद पहुंचाने वाले ओजीडब्ल्यू के प्रसार के मामले में एक मामला दर्ज किया गया था। नेगी की गिरफ्तारी इसी मामले की एक की गयी है। इस मामले में यह सातवीं गिरफ्तारी है। नेगी और ओजीडब्ल्यू के बीच संदिग्ध गतिविधियों के बारे में पहली बार इंटेलीजेंस ब्यूरो ने के साथ टिप साझा किए थे। इसके बाद उन्हें गृह राज्य हिमाचल प्रदेश वापस भेज दिया था। नेगी ने पहली बार अक्तूबर 2020 को लश्कर के लिए काम करने वाले ओजीडब्ल्यू खुर्रम परवेज के सोनावर स्थित घर पर दबिश देकर उसे गिरफ्तार किया था।

उस समय नेगी जम्मू-कश्मीर में गैर सरकारी संगठनों के खिलाफ एनआईए मामले की जांच कर रहे थे। नेगी ने इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से जुड़े कई मामलों की जांच की है, जिसमें कुछ मामले हुर्रियत कांफ्रेंस के नेताओं के खिलाफ भी हैं। वरिष्ठ आईपीएस नेगी एनआईए के गठन के समय से ही संगठन का हिस्सा थे। उनके खाते में तमाम सफल उपलब्धियां दर्ज हैं। इसी के चलते वर्ष 2017 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर उन्हें सम्मानित भी किया गया था। नेगी की टीम के सुराग पर ही पीडीपी नेता वहीद पारा और डीएसपी दविंदर सिंह की गिरफ्तारी हुई थी। दोनों पर हिजबुल आतंकियों के साथ साठगांठ का आरोप है। नेगी जम्मू-कश्मीर के अलावा 2007 में हुए अजमेर दरगाह धमाकों, 2008 के मालेगांव विस्फोटों की जांच से भी जुड़े थे। ऐसी उपलब्धि भरी सेवाएं देने के वाले पुलिस अधिकारी के राष्ट्रद्रोही मामले में शामिल होने से खाकी वर्दी वाले शर्मसार हुए हैं।(लेखक-सच्चिदानंद शेकटकर / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

02 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2022 वर्ष का 61 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 23.05 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 02.37 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शिव 08.20 बजे तदनन्तर सिद्ध 05.42 बजे प्रातः को समाप्त। **करण** चतुष्पद 12.00 बजे तदनन्तर नाग 23.05 बजे को समाप्त।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय		
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.03 बजे से	**चन्द्रायु** 24.8 घण्टे
चंद्र	कुंभ में	मेष	08.34 बजे से	**रवि क्रान्ति** दक्षिण 07° 18'
मंगल	मकर में	वृष	10.14 बजे से	**सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871175
बुध	मकर में	मिथुन	12.12 बजे से	**जूलियन दिन** 2459640.5
गुरु	कुंभ में	कर्क	14.25 बजे से	**कलियुग संवत्** 5123
शुक्र	मकर में	सिंह	16.41 बजे से	**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
शनि	मकर में	कन्या	18.53 बजे से	**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
राहु	वृष में	तुला	21.04 बजे से	**वीरनिर्वाण संवत्** 2548
केतु	वृश्चिक में	वृश्चिक	23.19 ब.से	**हिजरी सन्** 1443
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		धनु	01.35 बजे से	**महीना** रज्जब **तारीख** 28
		मकर	03.40 बजे से	**विशेष** दर्श अमावस्या, अन्वाधान, फाल्गुन अमावस्या।
		कुंभ	05.26 बजे से	

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आत्मनिर्भरता का प्रतीक है वैज्ञानिक कुशलता

वास्तविक ज्ञान ही विज्ञान है। प्राकृतिक विज्ञान प्रकृति और भौतिक दुनिया का व्यवस्थित ज्ञान होता है,या फ़िर इसका अध्ययन करने वाली इसकी कोई शाखा। असल में विज्ञान शब्द का उपयोग लगभग हमेशा प्राकृतिक विज्ञानों के लिये ही किया जाता है। इसकी तीन मुख्य शाखाएँ हैं : भौतिकी, रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान। रसायन का वास्तविक ज्ञान, रसायन विज्ञान है। भौतिकी का वास्तविक ज्ञान, भौतिक विज्ञान है। जीव का वास्तविक ज्ञान, जीव विज्ञान है। कृषि का वास्तविक ज्ञान, कृषि विज्ञान है। खाद्य का वास्तविक ज्ञान, खाद्य विज्ञान है। दुग्ध का वास्तविक ज्ञान दुग्ध विज्ञान है। आदि ऐसे अनेक क्षेत्रों में विज्ञान है। रसायन, भौतिकी, जीव-जंतु, कृषि, खाद्य, दुग्ध, आदि अनेक क्षेत्रों के वास्तविक ज्ञान से राष्ट्रहित संभव है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक दूसरे से घनिष्ठ सम्बन्ध है। विज्ञान का सम्बन्ध ज्ञान से है अर्थात नए ज्ञान की खोज (डिस्कवर)। प्रौद्योगिकी का सम्बन्ध अविष्कार (इन्वेंशन) से है। बिना ज्ञान के अविष्कार संभव नहीं है। मकान रूपी अविष्कार, स्तम्भ रूपी ज्ञान पर टिका हुआ है । बिना नीव या स्तम्भ के मकान का खड़ा हो पाना असंभव है। उसी प्रकार विज्ञान के बिना, प्रौद्योगिकी का होना असंभव है। एक पुरानी कहावत है - आवश्यकता अविष्कार की जननी है। जब मानव को जीवित रहने के लिए कुछ जरूरी हो जाता है तो वह किसी भी तरह से उसे प्राप्त करने के लिए जुट जाता है। इसका अर्थ यह है कि आवश्यकता हर नए आविष्कार का मुख्य आधार है। यह मानवीय आवश्यकता ही थी जिसने पहले व्यक्ति को खाने के लिए भोजन खोजने, रहने के लिए घर का निर्माण करने और जंगली जानवरों से बचने के लिए हथियार बनाने का कार्य किया। यदि इन सभी चीजों की मनुष्य अस्तित्व के लिए ज़रूरत नहीं होती तो वह इन सभी का आविष्कार नहीं करता। मानव जीवन की जरूरतें ही अविष्कार का कारण बनी। कहने का तात्पर्य यह है कि प्रौद्योगिकी मानव जीवन की जरूरतों को पूरा करती है। विज्ञान का लक्ष्य ज्ञान प्राप्त करना है जबकि प्रौद्योगिकी का लक्ष्य वैज्ञानिक सिद्धांतों को लागू करने वाले उत्पादों का निर्माण करना है। आधुनिक विज्ञान की त्वरित खोजों ने प्रौद्योगिकी को तेजी से विस्तार करने में सक्षम बनाया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बीच का यह सम्बन्ध तकनीकी परिवर्तन की गति को संभव बनाया है। विज्ञान नए ज्ञान को,अवलोकन और प्रयोग के माध्यम से व्यवस्थित रूप से खोजता है। प्रौद्योगिकी विभिन्न उद्देश्यों के लिए वैज्ञानिक ज्ञान का अनुप्रयोग है। विज्ञान हमेशा उपयोगी होता है। प्रौद्योगिकी, मानव जीवन के लिए उपयोगी हो सकता है या हानिकारक हो सकता है। उदाहरण के लिए, एक कंप्यूटर उपयोगी हो सकता है पर बम हानिकारक होगा। विज्ञान का उपयोग भविष्यवाणियां करने के लिए किया जाता है जबकि प्रौद्योगिकी, मानव जीवन को सरल बनाता है और लोगों की आवश्यकता को पूरा करता है। अतएव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का उच्चारण एक साथ किया जाता है। टिकाऊ भविष्य के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण का होना आवश्यक है। मानव जीवन के भविष्य को शानदार और टिकाऊ बनाने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी दोनों को एक साथ लेकर चलना होगा। भारत में राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्वावधान में सन् 1986 से प्रति वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (नेशनल साइंस डे) मनाया जाता है। प्रोफेसर सी वी रमन (चंद्रशेखर वेंकटरमन) ने सन् 1928 में कोलकाता में इस दिन एक उत्कृष्ट वैज्ञानिक खोज की थी,जो 'रमन प्रभाव' के रूप में प्रसिद्ध है। रमन की यह खोज 28 फरवरी 1930 को प्रकाश में आई थी। इस कारण 28 फरवरी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस कार्य के लिए उनको 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस दिवस का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति आकर्षित करना,प्रेरित करना तथा विज्ञान एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति सजग बनाना है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस देश में विज्ञान के निरंतर उन्नति का आह्वान करता है तथा इसके विकास के द्वारा ही हम समाज के लोगों का जीवन स्तर अधिक से अधिक खुशहाल बना सकते हैं। रमन प्रभाव में एकल तरंग- धैर्य प्रकाश (मोनोक्रोमेटिक) किरणें जब किसी पारदर्शक माध्यम ठोस,द्रव या गैस से गुजरती है तब इसकी छितराई किरणों का अध्ययन करने पर पता चला कि मूल प्रकाश की किरणों के अलावा स्थिर अंतर पर बहुत कमजोर तीव्रता की किरणें भी उपस्थित होती हैं। इन्हीं किरणों को रमन-किरण भी कहते हैं। भौतिक शास्त्री सर सी वी रमन एक ऐसे महान आविष्कारक थे,जो न सिर्फ लाखों भारतीयों के लिए बल्कि दुनिया भर के लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। यह किरणें माध्यम के कणों के कम्पन्न एवं घूर्णन की वजह से मूल प्रकाश की किरणों में ऊर्जा में लाभ या हानि के होने से उत्पन्न होती हैं। रमन किरणों का अनुसंधान की अन्य शाखाओं जैसे औषधि विज्ञान,जीव विज्ञान,भौतिक विज्ञान,खगोल विज्ञान तथा दूरसंचार के क्षेत्र में भी बहुत महत्व है। मुंशी प्रेमचंद ने क्या खूब कहा है -''विज्ञान में इतनी विभूति है कि वह काल के चिह्नों को भी मिटा दे। विज्ञान में ढेर सारी खूबियां होती है जो राष्ट्र को प्रगति के पथ पर अग्रसर करता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस(नेशनल साइंस डे) सत्र 2022 ई. का प्रसंग (थीम) है – सतत भविष्य के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण। इस थीम से स्पष्ट होता है कि ठआत्मनिर्भर भारतठ के निर्माण में भारत के वैज्ञानिक कौशल की प्रमुख भूमिका होगी। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से जुड़े वैज्ञानिक संस्थानों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और स्वायत्त वैज्ञानिक संस्थानों में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उत्सव कार्यक्रमों में सहयोग, उत्प्रेरण और समन्वयन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है। डीएसटी ने 1987 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की स्थापना की। ये पुरस्कार हर साल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रदान किए जाते हैं। इसी के साथ-साथ, विज्ञान दिवस पर विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) द्वारा एसईआरबी महिला वैज्ञानिकों को उत्कृष्टता पुरस्कार और लोकप्रिय विज्ञान लेखन के लिए पीएचडी एवं पोस्ट डॉक्टोरल शोधार्थियों को 'अवसर' (एडब्ल्यूएसएआर) पुरस्कार भी प्रदान किए जाते हैं। कोई भी राष्ट्र बिना मानव के संभव नहीं है। राष्ट्र मानव श्रृंखला से ही निर्मित होता है। विज्ञान सत्य को उजागर करता है। विज्ञान असत्य पर सत्य की जीत का परिचायक है। विज्ञान अंधविश्वास को ख़त्म करता है। विज्ञान जीवन को विश्वास से परिपूर्ण करता है। सर आर्थर इग्नाशियस कॉनन डॉयल ने कहा था कि ''विज्ञान व्यग्रता और अन्धविश्वास रूपी जहर की अचूक दवा है।'' सर आर्थर इग्नाशियस कॉनन डॉयल,(22 मई 1859 - 7 जुलाई 1930) एक स्कॉटिश चिकित्सक और लेखक थे। देश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 2022 के बजट में विशेष प्रावधान किए गए हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मिनिस्ट्री ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी) को केंद्रीय बजट (बजट) 2022-23 में 14,217 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मंत्रालय में तीन विभाग विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को 6,000 करोड़ रुपये, जैव प्रौद्योगिकी विभाग को 2,581 करोड़ रुपये और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को 5,636 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इन सभी विभागों ने देश में कोविड-19 महामारी से निपटने में अहम भूमिका निभाई है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं को 2,894 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। वहीं, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के लिए 1,680 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के लिए 39 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो 2021-22 में 35 करोड़ रुपये से अधिक है। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद को 5,562 करोड़ रुपये दिए गए हैं। विज्ञान व तकनीक के क्षेत्र में आज भारत दुनिया के शीर्ष देशों में से एक है। विश्व में भारत तीसरी सबसे बड़ी वैज्ञानिक और तकनीकी जनशक्ति है, जिसमें 634 विश्वविद्यालय सालाना 16,000 से अधिक डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान करते हैं। वैज्ञानिक प्रकाशनों की संख्या के मामले में भारत विश्व स्तर पर नौवें स्थान पर है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण वैज्ञानिक कुशलता का परिचायक है। एकीकृत दृष्टिकोण से समन्वयता, समता, सरलता और सफलता का जन्म होता है। भारत के दीर्घकालिक भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में समन्वित दृष्टिकोण जरुरी है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण मानव जीवन को सबल बनाता है। अतएव हम कह सकते हैं कि वैज्ञानिक कौशल आत्मनिर्भरता का प्रतीक है और एकीकृत दृष्टिकोण वैज्ञानिक कुशलता का प्रतीक है। (लेखक- डॉ. शंकर सुवन सिंह / ईएमएस)

आज का इतिहास 2 मार्च

1502 नेपल्स के राजकुमार फेर्रान को बंदी बनाकर स्पेन भेजा गया.
1801 स्पेन ने पुर्तगाल के खिलाफ युद्ध की घोषणा की.
1949 अमरीका के वी-50 सुपरफोर्ट विमान ने बिना रुके दुनिया का चक्कर लगाया.
1949 सरोजिनी नायडू का निधन.
1952 सिंदरी उर्वरक कारखाने का उद्घाटन हुआ.
1956 पाकिस्तान ने ब्रिटिश राष्ट्रकुल में बने रहने का फैसला किया.
1962 बर्मा में जनरल विन ने सत्ता पर कब्जा कर लिया.
1982 पटना में महात्मा गांधी सेतु जनता के लिए खोला गया.
1986 इराक द्वारा कुद गांदो पर बमबारी से सैंकड़ों लोग मारे गए.
1989 वेनेजुएला की राजधानी कराकस में रातभर की गोलीबारी के बाद हजारों सैनिकों को तैनात किया.
1990 नेलसन मंडेला अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस के उपराष्ट्रपति निर्वाचित.
1991 श्रीलंका के रक्षा राज्यमंत्री रजत विजय रत्न व 29 अन्य कोलंबों में कार विस्फोट में मारे गए.
1992 राष्ट्र संघ महासभा ने सोवियत संघसे अलग हुए आठ गणराज्यों को नए सदस्य के रूप में स्वागत किया.
1993 कांगो नदी में एक नाव के साथ 147 व्यक्ति डूब गए.
2000 ओमप्रकाश चोटाला ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली .
2002 नारायण दत्त तिवारी उत्तरांचल के मुख्यमंत्री बने.
2002 गुजरात में हिंसा का तांडव गावों तक पहुंचा, मृतकों की संख्या 400 तक पहुंची.
2007 पंजाब में अकाली नेता प्रकाश सिंह बादल चौथी बार और मणिपुर में कांग्रेस के इबोबी सिंह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने.

मध्यप्रदेशः शिव-उमा की चौसर : उमा के ''कमल'' से परेशन ''कमलदल''....?

कभी भारतीय जनता पार्टी की ''मिसाईल'' मानी जाने वाली तेज-तर्रार नैत्री उमाश्री भारती इन दिनों अपनी उपेक्षा से काफी परेशान है उनका सीधा सा कथन है कि ''जिस काम को पूरी मेहनत से मैं पूरा करती हूँ, उसका श्रेय व लाभ कोई और उठा लेता है।'' पिछले दिनों उन्होंने अपना यह दर्द अपने गृह जिले टीकमगढ़ में व्यक्त किया, उनका कहना था कि उन्होंने आज से उन्नीस साल पहले कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह की एक दशक पुरानी सरकार को शिकस्त देकर भाजपा को सत्ता दिलवाई और उसका लाभ अभी तक अन्य कोई उठा रहा है, यही स्थिति केन-बेतवा नदी लिंक योजना तथा ललितपुर-सिंगरौली रेल लाईन के साथ भी है, इन दोनों की उनकी अपनी परियोजनाओं को मूर्तरूप देते समय उनकी उपेक्षा की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि उमाजी ने 2002 में दिग्विजय सिंह के वर्चस्व को खत्म कर अपनी सरकार बनाई थी, किंतु वे कुछ ही महिनों मुख्यमंत्री रह पाई थी और एक गैर-जमानती अदालती वारंट के कारण उन्हें इस्तीफा देकर स्व. बाबूलाल गौर को सत्ता सौंपना पड़ी थी, बाबूलाल जी भी एक ही साल मुख्यमंत्री रह पाए और 2005 में शिवराज जी मुख्यमंत्री बन गए और वे आज भी मुख्यमंत्री है, बाद में उमाजी ने भाजपा से बाहर आकर भारतीय जनशक्ति पार्टी बनाई और चुनाव भी लड़ा। भाजपा में जब वापसी हुई तो उन्हें मध्यप्रदेश की सक्रिय राजनीति से बाहर रहना पड़ा और फलतः वे उत्तरप्रदेश की होकर रह गई, वे केन्द्र में मंत्री भी रही, किंतु 2019 में उन्हें पार्टी ने टिकट से वंचित कर दिया तभी से वे अपने आपको उपेक्षित महसूस कर रही है और इसी उपेक्षा के चलते अब उन्हें कहना पड़ रहा है कि ''सरकार मैं बनाती हूँ, चलाता कोई और है।''

उमाजी की इसी उपेक्षा के बीच पिछले दिनों एक और वाक्या हो गया, उमाजी का गाया एक तीस साल पुराना भजन है जिसके बोल ''तेरे चरण कमल में श्याम लिपट जाऊँ रज बनके'' पिछले दिनों शिवराज जी को इस भजन की याद आई और उन्होंने उमाजी से उसका वीडियों मांग लिया, उमाजी ने अपना गाया हुआ वीडियों शिवराज जी को भेज दिया, किंतु इस भजन के बोल में जो 'कमल' शब्द का प्रयोग हुआ है उसे लेकर 'कमलदल' (भाजपा) में खलबली मच गई है, क्योंकि मध्यप्रदेश 'कमल' शब्द को लेकर काफी संवेदनशील है, कमलनाथ चूंकि कांग्रेस के मुख्यमंत्री रहे है, इसलिए भी यहां 'कमल' को लेकर काफी चर्चाऐं होती है। अब उमाजी की उपेक्षा के दौर में उनके इस भजन को लेकर सियासत का दौर गर्म है।

वैसे उमा भारती जी का भी मध्यप्रदेश में एक 'राजनीतिक युग' रहा है, भाजपा की संस्थापक स्व. राजमाता विजयराजे सिंधिया के आग्रह पर उमाजी ने भाजपा में प्रवेश किया था, वे अपने व्यक्तिगत जीवन में साध्वी है तथा बाल्यकाल से प्रवचन करती आ रही है, उनके प्रवचन से ही प्रभावित होकर राजमाता ने उन्हें राजनीति में आने का न्यौता दिया था, वे अटल-अड़वानी के 'युग' में काफी प्रभावशाली नैत्री रही और पार्टी की वरिष्ठ नैत्री मानी जाती रही, किंतु पार्टी मौजूदा नैतृत्व के दौर में उमाजी को 'समयानुकूल' नहीं मान रही और यही उन्हें पिछले लोक सभा चुनावों के समय टिकट नहीं देनेक का मुख्य कारण रहा। किंतु अब उन्होंने अभी से 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है और भाजपा की राजनीति में उनकी 'जिद' काफी विख्यात भी है, इसलिए वे हर हाल में लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा को मूर्त रूप देगी, अब उन्हें 'रणक्षेत्र' कौन सा मिलता है, वह वे स्वयं चुनेगी या पार्टी यह उस समय की स्थिति-परिस्थिति पर निर्भर रहेगा, वे चुनाव अवश्य लड़ेगी।

वैसे यदि मौजूदा राजनीतिक माहौल के अनुसार उमाजी की इस घोषणा व उनके कथनों का सूक्ष्म परीक्षण किया जाए तो यह माना जा रहा है कि केन्द्रीय नेतृत्व की तरह वे मध्यप्रदेश पार्टी नेतृत्व से भी उपेक्षित ही है, उनकी नाराजी व मौजूदा तेवर का भी यही कारण है। उनकी मुख्य पीड़ा भी यही है, उनका मानना है कि आड़वानी-मुरली मनोहर जोशी की तरह मौजूदा नेतृत्व में उन्हें (उमाजी को) भी राजनीति के 'कूडेदान' में डालने की कौशिश की है, किंतु एक जिद्दी व हटी साध्वी के तेवर को नेतृत्व ने महसूस नहीं किया है और वे अब चुप बैठने वाली भी नहीं है, उन्होंने अपने मौजूदा तेवरों से अपनी नाराजी का सिर्फ ''ट्रेलर'' दिखाया है जिस दिन पूरी फिल्म सामने आएगी तब मौजूदा नेतृत्व को उमाजी की सही तस्वीर नजर आएगी।

इस तरह भारतीय जनता पार्टी में उमाजी ने बगावती रूख दिखाकर पार्टी के उन सभी उपेक्षित नेताओं को एक जूटता का संदेश भी दिया है, जिन्हें मजबूरी में अपने घरों में कैद होकर रहना पड़ रहा है। अब उमाजी की राजनीति क्या गुल खिलाती है यह तो भविष्य के गर्भ में है, किंतु उमाजी क्या कर सकती है? यह सभी अच्छी तरह जानते है। (लेखक- ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

शब्द पहेली - 7213

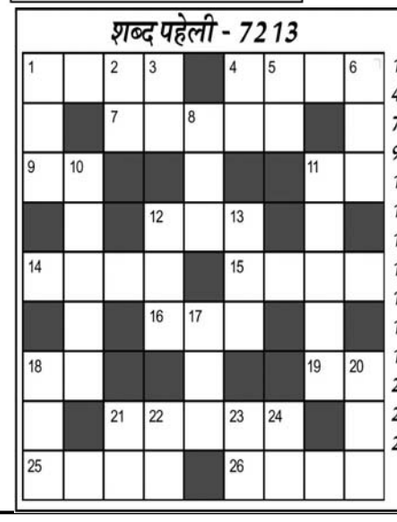

बाएँ से दाएँ

1.धनुर्धर-2,2
4.तरुणी,नाजनीन-4
7.संतुष्ट होना-5
9.टेलीग्राम-2
11.महोदय (अंग्रेजी-2)
12.कटि,कमरिया-3
14.फटकार,भर्त्सना-4
15.वतन,स्वदेश-4
16.पार होना,पार करना-3
18.विद्रोही-2
19.गरीब,निर्धन-2
21.लोचदार,लचकदार-5
25.पारंपरिक,पुरातन-4
26.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4

ऊपर से नीचे

1.शीघ्रता,जल्दी-3
2.मूल्य,कीमत-2
3.जनता,आम आदमी-2
4.किनारा,कोरा-2
5.इंकार,मनाही-2
6.पानी गर्म करने का यंत्र-3
8.भ्रम,वहम-3
10.साधू,संन्यासी-3,2
11.मुलायम सिंह की राजनीतिक पार्टी-5
12.कपड़े की दीवार-3
13.जिव्हा,जीभ-3
17.रसदार,रसभरा-3
18.कारण,वजह-3
20.नेत्र,लोचन-3
21.बुरी आदत-2
22.एक पड़ोसी देश-2
23.पराया,पंख-3
24.रग,नाड़ी-2

शब्द पहेली -7212 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में मिताली और मंधाना शीर्ष दस में बरकरार

हरमनप्रीत 20 वें स्थान पर पहुंची

दुबई (ईएमएस)। भारत की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज और बल्लेबाज स्मृति मंधाना आईसीसी महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष दस खिलाड़ियों में बनी हुई हैं। मिताली दूसरे जबकि मंधाना आठवें स्थान पर हैं। वहीं हरमनप्रीत कौर ताजा रैंकिंग में ए

श्रीलंका के खिलाफ मध्यक्रम में शुभमन , हनुमा को उतारेगी भारतीय टीम

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय टीम मोहली में चार मार्च से श्रीलंका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच खेलने के लिए उतरेगी। रोहित शर्मा की कप्तानी में उतर रही भारतीय टीम इस मैच में बल्लेबाज शुभमन गिल को तीसरे जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को पांचवें और हनुमा बिहारी को छठे नंबर पर उतार सकती है। इस मैच में मध्यक्रम में शुभमन को इसलिए उतारा जा रहा है ताकि शुभमन और हनुमा को अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे की जगह खेलने के लिए तैयार किया जाये। रहाणे और पुजारा को खराब फार्म के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है। ऐसे में आने वाले समय में हनुमा और शुभमन इन दोनों का विकल्प होंगे जबकि श्रेयस अय्यर को 'बैकअप' के रूप में रखा गया है।

भारतीय क्रिकेटर देवांग गांधी ने कहा, 'मेरा मानना है कि नंबर तीन के लिए शुभमन सबसे अच्छा विकल्प है। वह पारी की शुरुआत कर सकता है पर रोहित के साथ पारी शुरु करने के लिए मयंक है और ऐसे में शुभमन के लिए तीसरा नंबर सही रहेगा।' गांधी ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में सलामी बल्लेबाज के रूप में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने से पहले शुभमन को शुरू में मध्यक्रम की भूमिका के लिए तैयार किया जा रहा था। उसने मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए ही वेस्टइंडीज ए के खिलाफ मध्यक्रम में खेलते हुए दोहरा शतक लगाया था।

वहीं रहाणे मुख्य रूप से नंबर पांच पर बल्लेबाजी करते थे पर पूरी संभावना है कि द्रविड़ और रोहित इस नंबर पर ऋषभ को उतार सकते हैं जबकि विहारी छठे नंबर पर उतरेंगे। गांधी ने कहा, 'यदि आप हमारे शीर्ष क्रम को देखो तो मयंक, रोहित, शुभमन और विराट सभी दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। ऐसे में यह बेहतर होगा कि पांचवें नंबर का बल्लेबाज वामहस्त हो जिससे दाएं और बायें हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बन जाए।

श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए संभावित भारतीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), मयंक अग्रवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हनुमा विहारी, रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन (फिटनेस पर निर्भर)/जयंत यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज।

रुस ओर बेलारुस को ओलिंपिक से बाहर करेगी अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति

पुतिन और रुसी अधिकारियों से वापस लिया 'ओलिंपिक ऑर्डर'

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन पर रुसी हमले से खेल जगत भी बेहद नाराज है। ऐसे में अब रुस को ओलंपिक खेलों से भी बाहर किया जा सकता है। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (आईओए) ने भी रूस पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी। आईओए ने ने कहा कि वैश्विक खेल प्रतियोगिताओं की अखंडता की रक्षा और सभी प्रतिभागियों की सुरक्षा के लिए' ऐसा करना आवश्यक है। आईओसी ने यह भी कहा कि रुस की सहायता कर रहे बेलारूस के खिलाड़ियों को भी बाहर कर दिया जाएगा।

इससे पहले विश्व फुटबॉल की शीष संस्था (फीफा) और यूरोपियन फुटबॉल संघ (यूईएफए) ने रूस पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस साल के अंत में कतर में होने वाले फुटबॉल विश्व कप से रूस को पहले ही बाहर कर दिया गया है। इतना ही नहीं रूसी फुटबॉल क्लबों को दुनियाभर के हर टूर्नामेंट और चैंपियनशिप में हिस्सा लेने से रोक दिया गया है। यूएफा ने अपने एक बयान में कहा है कि कि रूसी क्लब स्पोर्ट्स मॉस्को को यूरोपियन लीग से भी बाहर कर दिया गया है। इससे अब आरबी लीपजिंग क्लब सीधे क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है।

फीफा ने अपने एक बयान में कहा, 'हम पूरी तरह साथ हैं और यूक्रेन में प्रभावित लोगों के साथ हमारी पूरी एकजुटता है।' फीफा ने हालांकि उम्मीद जताई कि यूक्रेन में जल्द हालात सुधरेंगे और फुटबॉल एक बार लोगों में एकजुटता और शांति का कारक बनेगा। आईओसी ने व्लादिमीर पुतिन से 2011 में दिए गए 'ओलिंपिक ऑर्डर' को भी वापस ले लिया है। उसके बाद अन्य रूसी अधिकारियों को दिया गया यह सम्मान भी वापस ले लिया गया है। गौरतलब है कि 24 मार्च को रूस की राजधानी मॉस्को में विश्व कप क्वालीफाईंग मैच का प्लेऑफ खेला जाना था पर पोलैंड ने इस मैच को खेलने से इंकार कर दिया। पोलैंड के अलावा स्वीडन और चेक गणराज्य ने भी कहा कि वह रूस के खिलाफ अपनी टीम नहीं उतारेंगे।

भारतीय मूल के कनाडाई संसद ने बताया स्वास्तिक का महत्व, बंद हुई विरोधियों की बोलती

आटोवा (ईएमएस)। लंबे समय से कनाडा में हिंदू धर्म के स्वास्तिक चिन्ह को लेकर चर्चा हो रही हैं। कुछ लोगों ने स्वास्तिक के चिन्ह को लेकर अपनी आलोचना दर्ज की हैं, तब कुछ ने इस एक धार्मिक प्रतीक के रूप में लिया है। पश्चिमी दुनिया में स्वस्तिक फासीवाद का पर्याय है, लेकिन यह हजारों साल पुराना यह चिन्ह है, दुनिया की लगभग हर संस्कृति में इस सौभाग्य के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। संस्कृत की प्राचीन भारतीय भाषा में, स्वस्तिक का अर्थ है ठकल्याण होता हैं। प्रतीक का उपयोग हिंदुओं, बौद्धों और जैनियों द्वारा सहस्त्राब्दियों से किया जाता रहा है और आमतौर पर इस भारतीय संकेत माना जाता है।

स्वस्तिक चिन्ह, या, जिस आज मुख्य रूप से नाजी पार्टी द्वारा उपयोग के लिए पश्चिम में मान्यता प्राप्त है, विभिन्न यूरेशियन संस्कृतियों में एक प्राचीन धार्मिक प्रतीक है। यह हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म और जैन धर्म सहित भारतीय धर्मों में देवत्व और आध्यात्मिकता के प्रतीक के रूप में प्रयोग किया जाता है। यह आम तौर पर एक क्रॉस का रूप लेता है, जिसकी भुजाएँ समान लंबाई की होती हैं और आसन्न भुजाओं के लंबवत होती हैं, प्रत्येक एक समकोण पर बीच में मुड़ी होती हैं। स्वस्तिक पश्चिमी दुनिया में, यह 1930 के दशक तक शुभता और सौभाग्य का प्रतीक था, जब जर्मन नाजी पार्टी ने दक्षिणावर्त ('दक्षिणावर्त') रूप अपनाया और इसे आर्य जाति के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया। द्वितीय विश्व युद्ध के परिणामस्वरूप, पश्चिम में यह नाजीवाद और यहूदी-विरोधी के साथ दृढ़ता से जोड़ा गया और अब यह श्वेत वर्चस्व का प्रतीक बना। परिणामस्वरूप, जर्मनी सहित कुछ देशों में इसका उपयोग कानूनी रूप से प्रतिबंधित है। हालांकि, नेपाल, भारत, मंगोलिया, श्रीलंका, चीन और जापान जैसे हिंदू, बौद्ध और जैन देशों में स्वस्तिक सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक बना हुआ है। यह आमतौर पर हिंदू विवाह समारोहों और दिवाली समारोहों में भी प्रयोग किया जाता है।

कनाडा में फिर से स्वस्तिक के चिन्ह पर चर्चा हो रही हैं। इसी दौरान भारतीय सांसद ने कनाडा की संसद में दमदार भाषण देकर हिंदू धर्म में प्रयोग किए गए स्वस्तिक चिन्ह के महत्व को समझाया। कनाडाई संसद के भारतीय मूल के सदस्य चंद्र आर्य ने सदन के सदस्यों और सभी कनाडाई लोगों से हिंदू धार्मिक पवित्र प्रतीक स्वास्तिक और नाजी प्रतीक हेकेनक्रेज के बीच अंतर समझाया है। उन्होंने ट्विटर पर भाषण का वीडियो साझा किया। भारतीय सांसद चंद्र आर्य ने कहा,कई धार्मिक विश्वासों के 10 लाख से अधिक कनाडाई और विशेष रूप से हिंदू-कनाडाई और स्वयं एक हिंदू-कनाडाई के रूप में, मैं इस सदन के सदस्यों और सभी कनाडाई लोगों से हिंदू धार्मिक पवित्र प्रतीक स्वास्तिका और स्वस्तिक के बीच अंतर करने का आह्वान करता हूं। नफरत के नाजी प्रतीक को जर्मन में हेकेनक्रेज या अंग्रेजी में हुक्ड क्रॉस कहा जाता है।

उन्होंने कहा, प्राचीन भारतीय संस्कृत भाषा में स्वास्तिक का अर्थ है, जो सौभाग्य और कल्याण लाता है।उन्होंने दोहराया कि स्वास्तिक की तुलना नफरत के जर्मन प्रतीक हकेंक्रेज़ से नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, कृपया नफरत के प्रतीक नाजी को स्वास्तिक कहना बंद करें। हम नफरत के नाजी प्रतीक हेकेंक्रेज़ या हुक्ड क्रॉस पर प्रतिबंध का समर्थन करते हैं। इस स्वस्तिक कहना हमें हिंदू-कनाडाई लोगों को हमारे धार्मिक अधिकार और हमारे दैनिक जीवन में हमारे पवित्र प्रतीक स्वस्तिक का उपयोग करने की स्वतंत्रता से वंचित करना है।

जीएसटी कलेक्शन ने फिर बनाया सरकार को मालामाल, फरवरी में 133026 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र की मोदी सरकार के लिए लगातार बढ़ रही महंगाई के बीच राहत की खबर है। फरवरी 2022 में जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 133026 करोड़ रुपये पहुंच गया है। जीएसटी वसूली का आंकड़ा फरवरी 2021 के मुकाबले 18 फीसदी ज्यादा है। वहीं,फरवरी 2020 के मुकाबले 26 फीसदी कलेक्शन बढ़ा है।यह लगातार पांचवां महीना है, जब जीएसटी कलेक्शन 1.30 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है।

फरवरी में सीजीएसटी कलेक्शन 24435 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 30779 करोड़ , आईजीएसटी 67471 करोड़ रुपये और सेस 10340 करोड़ रुपये रहा है। केंद्र सरकार का रेवेन्यू फरवरी महीने में रेग्युलर सेटलमेंट के बाद 50782 करोड़ रुपये रहा है। इस दौरान राज्यों का टोटल रेवेन्यू 52688 करोड़ रुपये रहा है। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, जीएसटी के इतिहास का यह तीसरा सबसे ज्यादा कलेक्शन है। इसके पहले जनवरी 2022 में सरकार को जीएसटी से 140986 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी, जो अब तक की सबसे ज्यादा वसूली है। इससे पहले अप्रैल, 2021 में जीएसटी कलेक्शन 139708 करोड़ रुपये रहा था, जो दूसरी सबसे बड़ी वसूली है। इसके बाद फरवरी 2022 में मोदी सरकार को तीसरी बार सबसे ज्यादा 133026 करोड़ रुपये की कमाई हुई है।

चालू वित्त वर्ष में 9वीं बार एक लाख करोड़ पार

अप्रैल में 139708 करोड़ रुपये, जुलाई में 116393 करोड़ रुपये, अगस्त में 112020 करोड़ रुपये, सितंबर में 117010 करोड़ रुपये, अक्टूबर में 130127 करोड़ रुपये, नवंबर में 131526 करोड़ रुपये, दिसंबर में 129780 करोड़ रुपये, जनवरी में 140986 करोड़ रुपये

फरवरी में 133026 करोड़ रुपये हैं।

जीएसटी कलेक्शन में यह बढ़त उस समय में आई है, जब जनवरी में कुछ राज्यों में कोरोना के कारण प्रतिबंध भी लगा था। इससे संकेत मिल रहा है कि कोरोना की तीसरी लहर का बहुत ज्यादा असर नहीं दिखा है और चौथी तिमाही भी ठीकठाक रहने वाली है। हालांकि सोमवार को आए अर्थव्यवस्था के आंकड़ों पर जरूर असर दिखा था।जीडीपी की ग्रोथ तीसरी तिमाही में 5.4 फीसदी रही, जो दूसरी तिमाही की तुलना में 3 फीसदी कम थी।

तापमान बढ़ने से नहीं रोका गया तब भारत में पैदा होगा गंभीर खाद्य संकट

चावल और मक्के की उपज को सबसे अधिक प्रभावित

लंदन (ईएमएस)। जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी समिति (आईपीसीसी) ने ताजा रिपोर्ट में चेतावनी दी कि जलवायु के लगातार बिगड़ते हालात से दक्षिण एशिया में खाद्य सुरक्षा को लेकर जोखिम खड़ा हो रहा है। साथ ही चेताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण भारत और पाकिस्तान में बाढ़ और सूखे के हालात पैदा होने का खतरा बढ़ रहा है। आईपीसीसी कार्यकारी समूह-द्वितीय की रिपोर्ट के दूसरे खंड में कहा गया है, कि जलवायु परिवर्तन के साथ ही एशिया में कृषि और खाद्य प्रणाली के लिए खतरा बढ़ेगा जिसका पूरे क्षेत्र पर अलग-अलग प्रभाव पड़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया, दक्षिण एशिया में जलवायु संबंधी गंभीर परिस्थितियों के कारण खाद्य सुरक्षा का जोखिम बढ़ रहा है, जिसका सबसे अधिक प्रभाव भारत और पाकिस्तान जैसी कृषि आधारित अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ेगा।

रिपोर्ट में आगाह किया गया हैं, कि जलवायु परिवर्तन से मत्स्य पालन, समुद्री जीवन और फसलों की पैदावार पर विपरीत प्रभाव होगा, खासकर दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में इसका गहरा प्रभाव होगा। इसमें कहा गया है, यदि अनुमानतः तापमान में एक डिग्री सेल्सियस से चार डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होती है,तब भारत में, चावल का उत्पादन 10 से 30 प्रतिशत तक, जबकि मक्के का उत्पादन 25 से 70 प्रतिशत तक घटेगा है। जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकारी समिति (आईपीसीसी) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में चेतावनी दी कि यदि भारत में उत्सर्जन में कटौती नहीं की गई,तब मानवीय अस्तित्व की दृष्टि से असहनीय गर्मी से लेकर, भोजन और पानी की कमी तथा समुद्र के जल-स्तर में बढ़ोतरी से गंभीर आर्थिक क्षति तक होगी है। आईपीसीसी कार्यकारी समूह-द्वितीय की रिपोर्ट के दूसरे खंड में कहा गया है कि यदि उत्सर्जन को तेजी से समाप्त नहीं किया गया, तब वैश्विक स्तर पर, गर्मी और आर्द्रता मानव सहनशीलता से परे स्थितियां पैदा करेगी और भारत उन स्थानों में शामिल होगा, जिन्हें इन असहनीय परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, तापमान, सापेक्षिक आर्द्रता और वर्षा में अंतर भारत सहित वैश्विक स्तर पर डेंगू के मामलों या संचरण दर में वृद्धि के लिए जिम्मेदार होगा। इसमें कहा गया है कि कम तापमान वाली दुनिया की तुलना में बढ़ते तापमान वाले देशों में सदी के अंत तक वैश्विक जीडीपी में 10 से 23 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है।

यूक्रेन संकट- चीन को छोड़ रूस की चहुंओर निंदा

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस की पूरी दुनिया में आलोचना हो रही है। इसी कड़ी में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने भी रूस की इस कार्रवाई की निंदा की है। उन्होंने कहा कि रूस की ओर से अपने परमाणु दस्ते को अलर्ट पर रखना 'रोंगटे खड़े कर देने वाला' घटनाक्रम है। वहीं बाइडेन प्रशासन ने रूसी संस्थाओं और उनके केंद्रीय बैंकों के खिलाफ सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। इस बीच कुछ लोग ऐसे भी हैं जिनका मानना है कि रूसी कार्रवाई यूक्रेन की ओर से उकसावे का नतीजा है। गुतारेस ने यूक्रेन पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक आपात एवं विशेष सत्र में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि बढ़ती हिंसा से बच्चों सहित आम आदमी की हो रही मौतें बिल्कुल ही अस्वीकार्य हैं। 'अब बस बहुत हो गया। यूक्रेन में चल रही लड़ाई को अब रुकना होगा।' गुतारेस ने रूस से अपने सैनिकों को वापस बुलाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कोई भी चीज परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को सही नहीं ठहरा सकती।

पहले दिन से संयुक्त राष्ट्र रूस की कड़े शब्दों में आलोचना कर रहा है। कई बड़े प्राइवेट बैंक और इक्विटी फर्म भी मास्को के खिलाफ एक वैश्विक विरोध का हिस्सा बन रहे हैं। यूरोपीय संघ ने भी रूस पर 'अब तक के सबसे सख्त' प्रतिबंध लगाए हैं। एक ओर जब पूरी दुनिया रूस पर प्रतिबंध लगा रही है तब चीन ने उससे गेहूं खरीद पर लगे सभी प्रतिबंधों को खत्म कर दिया है। रूस के पुराने दोस्त चीन का मानना है कि डोनबास क्षेत्र में रूस के लोगों पर अत्याचार और नाटो और यूरोपीय संघ की ओर से सुरक्षा चिंताओं सहित कई लंबे समय से चली आ रहीं शिकायतों ने रूस को ट्रिगर किया। यूरोपीय संघ और नॉर्डिक देशों ने सैन्य कार्रवाई चुनने के लिए मॉस्को की आलोचना की है।

गिरावट के बाद तेजी से संभली क्रिप्टोकरेंसी, सभी बड़े कॉइन 10 फीसदी से ज्यादा उछले

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद आभासी मुद्रा यानि क्रिप्टोकरेंसी बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई थी, लेकिन लगता है जैसे अब उसका असर समाप्त हो गया है। मंगलवार को सुबह 9:55 बजे ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप में 10.72 फीसदी का जबरदस्त उछाल आया है और इसी के साथ कल 1.71 ट्रिलियन डॉलर के मुकाबले आज यह 1.90 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है।

मार्केट कैप के हिसाब से सभी बड़ी करेंसीज़ में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। बिटकॉइन, इथेरियम से लेकर शिबा इनु तक सभी कॉइन्स में 10 प्रतिशत के आसपास की बढ़त देखने को मिली है। आंकड़ों के हिसाब से मंगलवार को बिटकॉइन 14.07 प्रतिशत उछलकर 43,201.25 पर ट्रेड कर रहा था, जबकि इथेरियम का प्राइस पिछले 24 घंटों में 11.23 फीसदी चढ़कर 2,914.96 पर पहुंच गया। बिटकॉइन का बाजार प्रभुत्व काफी बढ़ा है। कल यह 41.9 फीसदी था, जबकि आज 43 फीसदी हो गया है। इथेरियम का बाजार प्रभुत्व 18.3 फीसदी ही है।

विमान ईंधन की कीमत में 3.3 प्रतिशत बढ़ोतरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतें सात साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के साथ ही देश में विमान ईंधन की कीमतों में मंगलवार को 3.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के चलते इस साल विमान ईंधन या एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में यह पांचवीं बढ़ोतरी है।

दूसरी ओर पेट्रोल और डीजल की कीमतें लगातार 116वें दिन स्थिर बनी रहीं। माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में एटीएफ की कीमत 3,010.87 रुपये प्रति किलोलीटर या 3.22 प्रतिशत बढ़कर 93,530.66 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई। किसी एयरलाइन की परिचालन लागत में विमान ईंधन की लगभग 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

फरवरी में 18 फीसदी वृद्धि के साथ 1.33 लाख करोड़ से अधिक रहा जीएसटी संग्रह

नई दिल्ली (ईएमएस)। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि फरवरी में जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़कर 1.33 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा। फरवरी में संग्रह कोविड-19 वायरस की तीसरी लहर से प्रभावित हुआ। ज्ञात हो कि जनवरी 2022 में जीएसटी संग्रह 1,40,986 करोड़ रुपए था।

इस तरह फरवरी का संग्रह, इससे पिछले महीने के मुकाबले कम रहा। मंत्रालय ने एक बयान में कहा फरवरी 2022 में सकल जीएसटी राजस्व 1,33,026 करोड़ रुपये रहा, जिसमें केंद्रीय जीएसटी 24,435 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी 30,779 करोड़ रुपए, एकीकृत जीएसटी 67,471 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्र 33,837 करोड़ रुपए सहित) और उपकर 10,340 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्र किए गए 638 करोड़ रुपए सहित) है।फरवरी 2022 का जीएसटी संग्रह इससे पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 18 प्रतिशत अधिक है और फरवरी 2020 के मुकाबले जीएसटी संग्रह 26 प्रतिशत अधिक है। मंत्रालय ने कहा कि 28 दिन का महीना होने के कारण आम तौर पर फरवरी में जनवरी की तुलना में कम राजस्व मिलता है।

स्थायी सिंधु आयोग की वार्षिक बैठक में शामिल होने भारतीय प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान पहुंचा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। स्थायी सिंधु आयोग (पीसीआईडब्ल्यू) की वार्षिक बैठक के लिए 10 सदस्यी भारतीय प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान पहुंच गया है, दोनों पक्ष मौजूदा मौसम के दौरान बाढ़ प्रवाह की जानकारी संबंधी विषयों पर चर्चा कर और भविष्य के कार्यक्रमों, बैठकों और निरीक्षणों को अंतिम रूप देगा। पाकिस्तानी अखबार ने बताया कि भारत के सिंधु जल आयुक्त की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल पीसीआईडब्ल्यू की वार्षिक बैठक में भाग लेकर वाघा बॉर्डर के जरिए यहां पहुंचा। बैठक का आयोजन सिंधु जल संधि-1960 के दायित्वों के तहत पाकिस्तान के सिंधु जल आयुक्त के कार्यालय ने किया। बैठक इस्लामाबाद में एक मार्च से तीन मार्च तक होगी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल को मध्य जनवरी में आना था, लेकिन कोरोना संबंधी प्रतिबंधों के कारण भारत ने बैठक को स्थगित करने का अनुरोध किया था।

स्थानीय मीडिया ने सिंधु जल के लिए पाकिस्तानी आयुक्त के कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा, भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने वाघा बॉर्डर (लाहौर) के द्वारा देश में प्रवेश कर इसके बाद वह इस्लामाबाद पहुंचा। भारतीय आयुक्त पी के सक्सेना के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में तीन महिला अधिकारी शामिल हैं। संधि पर हस्ताक्षर होने के बाद पहली बार ऐसा हुआ है कि तीन महिला अधिकारी भारतीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। यह प्रतिनिधिमंडल बैठक के दौरान विभिन्न मामलों पर भारतीय आयुक्त को सलाह देगा। प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय जल आयोग, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, राष्ट्रीय जलविद्युत ऊर्जा निगम और विदेश मंत्रालय से संबंधित, भारतीय आयुक्त पी के सक्सेना के सलाहकार शामिल हैं।

पाकिस्तानी अधिकारी ने बताया कि बैठक में भाग लेने वाले अधिकारी मौजूदा मौसम के दौरान बाढ़ के प्रवाह के बारे में अग्रिम सूचना के संचार, सतलुज नदी में पानी का मुक्त प्रवाह बनाए रखने और भविष्य के कार्यक्रमों, बैठकों, दौरों और निरीक्षणों को अंतिम रूप देने की व्यवस्था पर चर्चा करने वाले हैं। यह बैठक कश्मीर मामले पर दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण होने के बीच आयोजित हो रही है। बैठक के कार्यक्रम के तहत प्रतिभागी इससे पहले हुए पीसीआईडब्ल्यू बैठक के रिकॉर्ड को भी अंतिम रूप देगा और उस पर हस्ताक्षर करेगा। अधिकारी ने कहा, ''भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की किसी भी क्षेत्र का दौरा करने/निरीक्षण करने की कोई योजना नहीं है, क्योंकि वे केवल बैठक में भाग लेने आए हैं।''

जम्मू-कश्मीर में चिनाब बेसिन में पाकल दुल (1,000 मेगावाट) और लोअर कलनई (48 मेगावाट) पनबिजली परियोजनाओं पर पाकिस्तानी आपत्तियों को लेकर पहले ही चर्चा जारी है। पाकिस्तान ने दरबुक श्योक, निमू चिलिंग, किरू, तमाशा, कलारूस-द्वितीय, बाल्टीकुलन स्माल, करगिल हुंदरमन, फगला, कुलन रामवारी और मंडी में भी 10 पनबिजली परियोजनाओं पर भी चिंता जताई है। अधिकारी ने कहा, ''इसलिए, इन सभी परियोजनाओं को पीसीआईडब्ल्यू बैठक का हिस्सा बनाया गया है। सैयद मुहम्मद मेहर अली शाह की अध्यक्षता में पाकिस्तानी सिंधु जल आयोग का दल बैठक के दौरान अपनी आपत्तियों को दोहराएगा और भारतीय प्रतिनिधिमंडल से जवाब/स्पष्टीकरण मांगेगा। उन्होंने कहा, दोनों देश पाकुल दुल और लोअर कलनई परियोजनाओं पर भी वार्ता बहाल करने वाले है।

भारतीय छात्रों की निकासी में प्रतिकूल स्थिति सबसे बड़ी अड़चन, यूक्रेन को राहत सामग्री की आपूर्ति करेगा भारत : तिरुमूर्ति

जेनेवा (ईएमएस)। भारत ने कहा है कि यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने में वहां सीमा की प्रतिकूल स्थिति अड़चन बनी हुई है। भारत ने सुरक्षा परिषद तथा महासभा की समानांतर बैठक में कहा वह रूसी हमले के कारण तबाह हुए यूक्रेन को राहत सामग्री की आपूर्ति करेगा। यूक्रेन में मानवीय सहायता मामले पर फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा बुलाई गई सुरक्षा परिषद की बैठक में, तिरुमूर्ति ने कहा यूक्रेन में मानवीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने दवाओं सहित तत्काल राहत आपूर्ति प्रदान करने का भी निर्णय लिया है। उन्होंने कहा हम पड़ोसियों और विकासशील देशों के उन लोगों की मदद के लिए तैयार हैं जो यूक्रेन में फंसे हुए हैं और मदद मांग सकते हैं।

महासभा की आपातकालीन बैठक को परिषद द्वारा 1950 के यूनाइटिंग फॉर पीस संकल्प द्वारा निर्धारित मानदंडों के तहत रूस के यूक्रेन पर हमले घटना की निंदा करने के लिए बुलाया गया था। लेकिन इस प्रस्ताव का वीटो कर रूस ने स्थाई सदस्यों के बीच मतभेद पैदा कर परिषद को पंगु बना दिया था। यह केवल 11 वां आपातकालीन सत्र था और पिछले 40 वर्षों में सुरक्षा परिषद द्वारा बुलाया जाने वाला पहला सत्र था। दोनों बैठकों में तिरुमूर्ति ने यूक्रेन में बिगड़ती स्थिति पर भारत की गहरी चिंता व्यक्त की और इस स्थिति को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा भारत वहां फंसे अपने हजारों नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है, जिनकी निकासी यूक्रेन के पड़ोसियों के साथ सीमाओं पर प्रतिकूल स्थिति से बाधित हो रही थी।

तिरुमूर्ति ने महासभा में कहा सीमा पर बदल रही स्थिति से वहां हमारे निकासी प्रयासों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। सीमा की जटिल और अनिश्चित स्थितियों ने लोगों की निर्बाध आवाजाही को बहुत प्रभावित किया है। इस महत्वपूर्ण मानवीय आवश्यकता पर तुरंत ध्यान दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को यूक्रेन में मानवीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सभी लोगों तक मुफ्त और निर्बाध मानवीय पहुंच सुनिश्चित करने की जरूरत है। यह देखते हुए कि मेरी सरकार के लिए भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है, भारत सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों को यूक्रेन के पड़ोसी देशों में विशेष दूत के रूप में तैनात किया जा रहा है। गौरतलब है कि हरदीप पुरी को हंगरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया को रोमानिया और मोल्दोवा, किरेन रिजिजू को स्लोवाकिया और वीके सिंह को निकासी में मदद करने के लिए पोलैंड भेजा गया है। तिरुमूर्ति ने निकासी में मदद करने के लिए उन देशों को धन्यवाद दिया।

डबल बैटरी ऑप्शन के साथ लांच सिंपल वन, सिंगल चार्ज पर चलेगा 300 किलोमीटर

मुंबई (ईएमएस)। भारत में सबसे ज्यादा बैटरी रेंज के दावे के साथ सिंपल एनर्जी ने अपने दमदार स्कूटर सिंपल वन को डबल बैटरी ऑप्शन के साथ लांच किया है, जिसमें ज्यादा बड़ी बैटरी लगी हुई है, इसकी रेंज 300 किलोमीटर प्रति चार्ज है। ईवी स्टार्टअप सिंपल एनर्जी ने पिछले साल अगस्त में अपना पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंपल वन लांच किया था, जो कि प्रीमियम सेगमेंट का इलेक्ट्रिक स्कूटर है, इसका मुकाबला ओला एस1 सीरीज ई-स्कूटर के साथ ही बजाज चेतक इलेक्ट्रिक, टीवीएस आईक्यूब और ऐथर 450एक्स जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटर से है।

बता दें कि अब तक सिंपल वन को 3.2 किलोवॉट के सिंगल और रिमूवेबल बैटरी के साथ पेश किया गया था, जिसकी कीमत 1,09,000 रुपये (एक्स शोरूम) है। इसकी बैटरी रेंज के बारे में कंपनी का दावा है कि इस सिंगल चार्ज में 236 किलोमीटर तक चला सकते हैं। अब इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को नए ऑप्शन के साथ पेश किया गया है, जिसमें फिक्स सिंगल बैटरी और रिमूवेबल डबल बैटरी ऑप्शन हैं। इन बैटरी की क्षमता 6.4 किलोवॉट की है। कंपनी का दावा है कि इस एक बार फुल चार्ज करने पर 300 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय कर सकते हैं। कंपनी ने सिंपल वन इलेक्ट्रिक के नए वेरिएंट को 1,44,999 रुपये में लांच किया है।

सिंपल एनर्जी के फाउंडर और सीईओ सुहास राजकुमार का कहना है कि लोगों को बैटरी रेंज से जुड़ीं किसी तरह की समस्याएं न हों, इसके लिए सिंपल वन का ज्यादा रेंज वाला वेरिएंट पेश किया गया है।

बता दें कि सिंपल वन की डिलीवरी इस साल जून में शुरू होगी। दरअसल, इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को लांच हुए 8 महीने हो गए हैं और अब तक यह लोगों के हाथ नहीं आई है। अब तक 30 हजार लोगों ने सिंपल वन को बुक करा लिया है। सिंपल वन शानदार लुक और लेटेस्ट फीचर्स के साथ ही अच्छी बैटरी रेंज वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर है, जिसकी तरफ लोगों का ध्यान जा रहा है।सिंपल एनर्जी भारत में इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन के विस्तार में भी लगी हुई है।

यूक्रेन में रूस के युद्ध अपराधों की जल्द जांच शुरू करेगा आईसीसी

हेग (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूस के हमले का आज छठा दिन है। इस हमले के बाद रूस वैश्विक स्तर पर अलग-थलग पड़ता दिखाई दे रहा है। उधर, यूक्रेन में रूस के मानवता के खिलाफ युद्ध अपराध और दूसरे अपराधों को लेकर अंतराष्ट्रीय अपराध अदालत (आईसीसी) में मुकदमा दर्ज किया है। अब यूक्रेन के मुकदमे के बाद युद्ध अपराध और दूसरे अपराधों को लेकर आईसीसी के चीफ प्रोसेक्यूटर करीम खान रूस के खिलाफ जल्द जांच शुरू करेंगे।

मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी के मुख्य प्रोसेक्यूटर करीम खान ने कहा कि उनकी यूक्रेन में मानवता के खिलाफ संभावित युद्ध अपराधों और अन्य अपराधों की जल्द से जल्द जांच शुरू करने की योजना है। प्रोसेक्यूटर करीम खान ने एक बयान में कहा कि जांच में रूसी हमले के पहले किए गए कथित अपराधों की जांच की जाएगी।

उन्होंने कहा हाल के दिनों में संघर्ष के विस्तार के मद्देनजर मेरा इरादा है कि इस जांच में यूक्रेन के किसी भी हिस्से में संघर्ष के किसी भी पक्ष द्

एसीबी की टीम ने दो कॉन्स्टेबलों की गिरफ्तारी की

अहमदाबाद में २५ लाख मांगने वाले रिश्वतखोर पुलिसकर्मी गिरफ्तार

अहमदाबाद में केस में नाम नहीं लाने के लिए पुलिस द्वारा २५ लाख की मांग किए जाने का सामने आया

अहमदाबाद, १ मार्च।

राजकोट के तोड़कांड का भूत अभी भी चल रहा है तब अहमदाबाद में केस में नाम नहीं लाने के लिए अहमदाबाद पुलिस द्वारा २५ लाख रुपये की मांग किए जाने का सामने आया है। सौदेबाजी हो इसके पहले ही एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा बिछाये गये जाल में आने से घटना का पर्दाफाश हो गया है। पुलिस ने एक कॉन्स्टेबल की २.७५ लाख रुपये के साथ गिरफ्तार कर लिया है। अब यह केस में और कई चौंकाने वाले खुलासे होने की संभावना व्यक्त की गई है। राजकोट तोड़कांड बाद अहमदाबाद में एलिसब्रिज पुलिस ने २५ लाख की केस में नहीं फंसाने के लिए मांगा था। ऐसे में पुलिस ने एक साथ दो कॉन्स्टेबल को रुपया लेते हुए गिरफ्तार किया था। अन्य सीमा में आती कंपनी के संचालक के खिलाफ घोटाला किया गया था। इस केस में शिकायत और गिरफ्तारी नहीं करने के लिए २५ लाख रुपया मांगा गया था। यह केस खत्म करने का ७ लाख रुपये में निश्चित किया गया था। जिसमें से २.७५ लाख रुपया एलिसब्रिज पुलिस स्टेशन में लेने का निश्चित किया गया। दूसरी तरफ खुद ज्यादा फंसे जाने का मानकर कंपनी के संचालकों ने यह मामले में एसीबी को जानकारी दे दी थी। एसीबी ने इस केस में जाल बिछाकर रुपया मांगने वाले बादलभाई पचाणभाई चौधरी, अहमदाबाद पुलिस कॉन्स्टेबल वर्ग-३ और अहमदाबाद हेड कॉन्स्टेबल वर्ग-३ विनोदभाई बाबूभाई वाढेर को गिरफ्तार किया था। गुजरात में बनी भूपेन्द्र पटेल की टीम लोगों को तकलीफ नहीं हो इसके लिए लगातार एक्टिव रहती है जिसमें राजस्व मंत्री लोगों को तकलीफ नहीं हो और उनके काम आसानी से हो इसके लिए प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में शहर के नवा वाडज में स्थित मोजणी भवन में सर्वेयर द्वारा भूलों को सुधारने के लिए १.८० लाख की रिश्वत मांगी गई थी। एसीबी को इस मामले में जानकारी मिलने पर जाल बिछाकर रिश्वतखोर कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया था।

आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता महेश सवाणी को तबियत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया

सूरत (ईएमएस) कुछ दिन पहले आम आदमी पार्टी (आप) को अलविदा करने वाले महेश सवाणी को तबियत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं जहां उनकी तबियत स्थिर बताई गई हैं जानकारी के मुताबिक सोमवार की देर रात सीने में असहनीय दर्द की शिकायत के बाद महेश सवाणी को पीपी सवाणी अस्पताल में भर्ती कराया गया थाँ जहां मेडिकल जांच में महेश सवाणी को दिल का दौरा पड़ा होने का खुलासा हुआ जिसके बाद उनकी एन्जियोप्लास्टी कर उन्हें आईसीसीयू में शिफ्ट किया गया हैं महेश सवाणी की अचानक तबियत बिगड़ने से उनके परिवार समेत प्रशंसकों में चिंता व्याप्त हैं फिलहाल महेश की सवाणी की डॉक्टरों की एक टीम लगातार मोनिटरिंग कर रही हैं आज सुबह डॉक्टरों ने महेश सवाणी की जांच के बाद उनकी तबियत स्थिर बताई है, जिसके बाद परिवार ने राहत की सांस ली हैं गौरतलब है समाज सेवक महेश सवाणी अब तक पिता विहीन हजारों की लड़कियों की शादी करवा चुके हैं जिसकी जरिए महेश सवाणी की सेवा कार्यों से जुड़े व्यक्ति के रूप में पहचान कायम हुआ महेश सवाणी ने आम आदमी पार्टी के जरिए उन्होंने राजनीतिक कैरियर शुरू किया, लेकिन कुछ ही समय बाद उन्होंने पार्टी छोड़ दी और वापस समाज सेवा में जुट गएँ

पुलिस पर कोई विश्वास नहीं किया जा सकता

गांव के लोगों ने शुरू किया अपना प्राइवेट पुलिस स्टेशन

ठंड हो या गर्मी हो फल्ला गांव में चोरों का आतंक बढ़ने पर स्थानीय लोग अब रात को खुद ही पूरे गांव की चौकी पहरा करता है

जामनगर, १ मार्च।

राज्य में पुलिस विभाग के कामकाज पर लंबे समय से सवाल उठाये जा रहे हैं। राज्य में जिस प्रकार से अपराधों का ग्राफ जिस प्रकार से ऊंचा जा रहा है यह देखते हुए पुलिस के खिलाफ सवाल उठ रहे हैं। लोगों को पहले से ही पुलिस पर विश्वास कम ही था जो अब तो करीब नामशेष हो चुका है। जामनगर में भी कुछ ऐसी ही स्थिति है। फल्ला नाम के गांव में चोरों का आतंक काफी बढ़ गया है। जिसकी वजह से पुलिस से बारबार पेशकश की गई फिर भी लापरवार रही पुलिस प्रशासन सक्रिय नहीं हुआ जिसकी वजह से नागरिकों को खुद ही अपनी सुरक्षा करने का निश्चय किया। फल्ला गांव में चोरों का आतंक बढ़ने पर स्थानीय लोग अब रात को खुद ही पूरे गांव की चौकी पहरा करता है।

कड़ाके की ठंड हो या गर्मी हो युवक अपने साथ लाठी डंडा लेकर हमेशा गांव की चौकी पहरा करते हैं। इसके अलावा यदि कोई अज्ञात व्यक्ति गांव में आ जाए तो इसे रोककर पूछताछ भी की जाती है। जामनगर-राजकोट हाइवे पर स्थित फल्ला गांव में हाल में ही दो तीन घरों में चोरी हुई थी। आसपास के क्षेत्र और मंदिरों तथा खेतों में भी चोरों का आतंक बढ़ गया है। एक तरफ सर्दियों का मौसम होने की वजह से ग्रामीमों को पूरा दिन खेत में मजदूरी करते है। रात को थके हुए होने से सो जाते है लेकिन चोर आकर चोरी करके चले जाते है। जबकि पुलिस प्रशासन तो दिन भी सो जाता है और रात को सोता है। बारबार पेशकश करने के बावजूद भी निष्क्रिय तंत्र नहीं जागने पर नागरिकों को अब अपनी सुरक्षा खुद ही करनी पड़ेगी इस उद्देश्य के साथ खुद ही चौकी पहला शुरू कर दिया है। गांव के लोगों द्वारा युवकों की बारी रखी जा रही है। यह युवक पूरी रात गांव में पेट्रोलिंग करते हैं।

2 और 9 मार्च 2022 की अहमदाबाद-पटना क्लोन स्पेशल ट्रेन निरस्त रहेगी

अहमदाबाद , उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग, नैनी – प्रयागराज छिवकी के बीच तीसरी लाइन के निर्माण हेतु नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण अहमदाबाद-पटना साप्ताहिक क्लोन स्पेशल ट्रेन निरस्त रहेगी। जिसका विवरण इस प्रकार है:-

- दिनांक 02 एवं 09 मार्च 2022 की ट्रेन संख्या 09447 अहमदाबाद-पटना क्लोन स्पेशल ट्रेन निरस्त रहेगी।
- दिनांक 04 एवं 11 मार्च 2022 की ट्रेन संख्या 09448 पटना-अहमदाबाद क्लोन स्पेशल ट्रेन निरस्त रहेगीँ

बलेश्वर पाटिया के निकट ट्रक-कार के बीच भिड़ंत के बाद लगी आग, दो लोगों की जलकर मौत

सूरत (ईएमएस) सूरत के बलेश्वर पाटिया के निकट दर्दनाक हादसे में दो लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई ट्रक और कार के बीच दुर्घटना के बाद कार में आग लग गई इस हादसे में कार में सवार दो लोग आग की चपेट में आ गई फायर विभाग की टीम पहुंची तब तक काफी देर हो चुकी हैं जानकारी के मुताबिक सूरत के बलेश्वर पाटिया के निकट ट्रक और कार के बीच जबर्दस्त टक्कर हो गई ट्रक से टकराने के बाद कार में आग लग गई कार में सवार दो लोग संभल पाते है, इससे पहले आग ने दोनों को अपनी चपेट में ले लियाँ घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और फायर ब्रिगेड को सूचना दे दीँ खबर मिलते ही फायर विभाग की टीम घटनास्थल के लिए रवाना हो गई हांलाकि जब तक फायर टीम मौके पर पहुंचती तब तक काफी देर हो चकी थीँ कार में सवार दो लोगों की आग में जलकर मौत हो गई सूचना पाते ही पलसाणा पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दीँ जांच में पता चला कि कार चालक सूरत के चलथाण निवासी सोनु सिंह थाँ

राजकोट मंडल से होकर जानेवाली 8 जोड़ी ट्रेनों में लगाए जाएंगे अतिरिक्त कोच

राजकोट , यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा राजकोट मंडल से होकर जानी वाली 8 जोड़ी ट्रेनों में अस्थायी तौर पर एक अतिरिक्त सेकंड स्लीपर कोच जोड़ने का निर्णय लिया गया है। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम अभिनव जेफ के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन नं 19218/19217 वेरवाल-बांद्रा सौराष्ट्र जनता एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त सेकंड स्लीपर कोच वेरावल से 03.03.2022 से लेकर 17.03.2022 तक तथा बांद्रा से 02.03.2022 से लेकर 16.03.2022 तक लगाया जाएगा।

ट्रेन नं 22969/22970 ओखा-वाराणसी एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त सेकंड स्लीपर कोच ओखा से 03.03.2022 से लेकर 31.03.2022 तक तथा वाराणसी से 05.03.2022 से लेकर 02.04.2022 तक लगाया जाएगा।

ट्रेन नं 19573/19574 ओखा-जयपुर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त सेकंड स्लीपर कोच ओखा से 07.03.2022 से लेकर 28.03.2022 तक तथा जयपुर से 08.03.2022 से लेकर 29.03.2022 तक लगाया जाएगा।

ट्रेन नं 22937/22938 राजकोट-रीवा एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त सेकंड स्लीपर कोच राजकोट से 06.03.2022 से लेकर 27.03.2022 तक तथा रीवा से 07.03.2022 से लेकर 28.03.2022 तक लगाया जाएगा।

ट्रेन नं 20913/20914 राजकोट-दिल्ली सराई रोहिल्ला एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त सेकंड स्लीपर कोच राजकोट से 03.03.2022 से लेकर 31.03.2022 तक तथा दिल्ली सराई रोहिल्ला से 04.03.2022 से लेकर 01.04.2022 तक लगाया जाएगा।

ट्रेन नं 22905/22906 ओखा-शालीमार एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त सेकंड स्लीपर कोच ओखा से 06.03.2022 से लेकर 27.03.2022 तक तथा शालीमार से 08.03.2022 से लेकर 29.03.2022 तक लगाया जाएगा।

ट्रेन नं 19269/19270 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर मोतीहारी एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त सेकंड स्लीपर कोच पोरबंदर से 04.03.2022 से लेकर 31.03.2022 तक (11.03.2022 को छोड़कर) तथा मुजफ्फरपुर से 07.03.2022 से लेकर 04.04.2022 तक (13.03.2022 को छोड़कर) लगाया जाएगा।

ट्रेन नं 20937/20938 पोरबंदर-दिल्ली सराई रोहिल्ला एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त सेकंड स्लीपर कोच पोरबंदर से 01.03.2022 से लेकर 29.03.2022 तक दिल्ली सराई रोहिल्ला से 03.03.2022 से लेकर 31.03.2022 तक लगाया जाएगा।

9 नगर पालिकाओं में 11 स्थलों पर स्थापित

होंगे 1.90 मेगावाट क्षमता के सोलर प्लांट

- मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्लांट के लिए 12.36 करोड़ रुपए के कार्यों को दी सैद्धांतिक मंजूरी

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने देश में गैर-परंपरागत ऊर्जा स्त्रोतों के उपयोग का दायरा बढ़ाकर स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के अधिक से अधिक उपयोग के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अहावान को साकार करते हुए राज्य में 9 नगर पालिकाओं को 11 सोलर प्लांट की स्थापना करने की सैद्धांतिक मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने सौर ऊर्जा उत्पादन के जरिए राज्य की नगर पालिकाओं में बिजली बिल के खर्च में कमी करने तथा नगरों में स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल सौर ऊर्जा के विनियोग के लिए 9 नगरों में 11 विभिन्न स्थलों पर सोलर प्लांट की स्थापना के लिए 12.36 करोड़ रुपए के कार्यों को अनुमति प्रदान की है। राज्य के नगरों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के संचालन में बिजली की खपत की अहम भूमिका के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने ऐसे एसटीपी प्लांट परिसर में सोलर पैनल के माध्यम से बिजली का उत्पादन करने के लिए शहरी विकास विभाग को प्रेरित किया है। मुख्यमंत्री ने इस उद्देश्य से जिन 9 नगर पालिकाओं में सोलर प्लांट की स्थापना के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी है उसके अंतर्गत साणंद, पोरबंदर-छाया, खेड़ब्रह्मा, भुज, हिम्मतनगर, अमरेली, राजपीपला, दहेगाम और गांधीधाम में कुल 11 स्थलों पर प्लांट स्थापित किए जाएंगे। तद्नुसार, 7 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, 3 हेड वर्क्स/ पंपिंग स्टेशन और 1 टाउन हॉल परिसर में सोलर ऊर्जा के उपयोग के लिए ये प्लांट स्थापित किए जाएंगे। इन 9 नगर पालिकाओं में कुल 1.90 मेगावाट क्षमता के सोलर प्लांट कार्यरत होने से आगामी समय में वार्षिक 1.98 करोड़ रुपए की बिजली की बचत भी होगी। राज्य में नगर पालिका जैसी स्थानीय निकाय की संस्थाओं में एसटीपी सहित अन्य परिसरों में सौर ऊर्जा के उपयोग से बिजली के खर्च में बचत करने के उद्देश्य से अब तक चार चरणों में 34 नगर पालिकाओं में 74 स्थलों पर सोलर पावर प्लांट लगाने के लिए राज्य सरकार ने 39.90 करोड़ रुपए के कार्यों की सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इसके परिणामस्वरूप नगर पालिकाओं के बिजली के खर्च में वार्षिक 10 करोड़ रुपए की बचत होने का अनुमान है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अब और 9 नगर पालिकाओं में सोलर प्लांट की स्थापना के लिए गुजरात अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के शहरी विकास विभाग के मार्फत प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

यूक्रेन से आई गुजरात की युवती ने कहा

बॉर्डर पर फंसे हुए विद्यार्थियों को जल्दी लाने का आक्रामक आयोजन

दमन की विद्यार्थिनी मानसी शर्मा भी अपने घर वापस आई है, मानसी वापस आने से परिजनों में खुशी है

दमन, १ मार्च।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध होने पर कई भारतीय और विशेष करके कई विद्यार्थी यूक्रेन में फंसे हुए हैं। इसी वजह से युद्ध क्षेत्र में फंसे हुए विद्यार्थियों को एयर लिफ्ट करने के लिए भारत सरकार द्वारा ऑपरेशन गंगा चलाया जा रहा है। युद्ध स्तर पर चल रहे इस ऑपरेशन की वजह से कई विद्यार्थी सुरक्षित अपने वतन वापस आ रहे हैं। अब यह ऑपरेशन गंगा के तहत यूक्रेन के इवानो क्षेत्र में एमबीबीएस के चौथे वर्ष में पढ़ाई करती संघप्रदेश दमन की विद्यार्थिनी मानसी शर्मा भी अपने घर पर वापस आई है। मानसी शर्मा घर पर वापस आने पर इसके परिजनों में खुशी की लहर फैल गई है। युद्ध के क्षेत्र से वापस आई मानसी शर्मा का स्वागत करने के लिए इसके पड़ोसियों और रिश्तेदार भी उनके घर पर पहुंचे थे। अपनी बेटी सुरक्षित वापस आने पर मानसी शर्मा और इसके परिजनों ने भारत सरकार का आभार माना है। मानसी ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और संघप्रदेश दादरानगर हवेली और दमनन -दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल का भी आभार व्यक्त किया। इस तरह घर पर वापस आई मानसी शर्मा ने घर पर वापस आने से पहले आई मुश्किल के बारे में बात की थी। आगे उसने बताया है कि, सरकार द्वारा चलाया जा रहा ऑपरेशन गंगा अभियान बहुत ही अच्छे तरीके से चल रही है और सरकार ने तुरंत निर्णय लेकर और युद्धक्षेत्र में फंसे हुए विद्यार्थियों को सुरक्षित बचा लेने और वतन लाने के लिए किए जा रहे कामकाज की प्रशंसा की थी। हालांकि यूक्रेन की बॉर्डर पर से विद्यार्थियों को पड़ोसी देशों में जहां से एयर लिफ्ट किया जा रहा है यह देशों की बॉर्डर पर अभी भी पर्याप्त आयोजन की कमी होने का बताया। योग्य व्यवस्था के अभाव में घंटों तक विद्यार्थियों को पड़ोसी देशों की बॉर्डर पर फंसे रहना पड़ता है। इसी वजह से यह समस्या दूर किया जाए तो युद्ध क्षेत्र में फंसे हुए हजारों विद्यार्थी जल्दी से अपने घर पर वापस आ सके ऐसा आयोजन किया जाए ऐसी मानसी शर्मा ने सरकार के समक्ष की थी।

सगाई पर मयुर ने मंगेतर को गिफ्ट में दिया चांद का टुकड़ा

वडोदरा के व्यापारी ने प्रेमिका को सगाई पर सोना या डायमंड के गहने नहीं चांद का टुकड़ा गिफ्ट में दिया

वडोदरा, १ मार्च।

हेमाली पटेल की मयुर पटेल के साथ सगाई हुई तो उसने शायद विचार किया होगा कि उसे डायमंड की अंगूठी मिलेगी या सोने का कोई आभूषण उपहरा के तौर पर मिलेगा। लेकिन हेमाली को गिफ्ट में जो मिला इसकी कल्पना उसने सपने में भी नहीं की होगी। सगाई की अंगूठी पहनाने के बाद मयुर पटेल घुटने बैठा और उसने हेमाली को चांद का टुकड़ा उपहार में दिया। किसी को भी पढ़कर विश्वास नहीं होगा, लेकिन मयुर पटेल ने वास्तव में यह अनूठा उपहार अपनी मंगेतर को दी है। २५ वर्षीय व्यापारी मयुर पटेल ने मंगेतर हेमाली को अनूठा उपहार देने के लिए चंद्र पर जमीन बुक कराई है। हेमाली व्यवसाय से इंजीनियर है। हेमाली ने बताया है कि, पुरूष सामान्य रूप से अपनी प्रेमिका को ऐसे वचन देते है कि तेरे लिए चांद-तारा लेकर आऊंगा। लेकिन मैंने कभी भी विचार नहीं किया था कि वह मेरे नाम पर वास्तव में चंद्र पर जमीन खरीदेगा। यह बेस्ट गिफ्ट है। मैं वास्तव में सातवें आसमान पर पहुंच गई हूं। उल्लेखनीय है कि मयुर पटेल ने जमीन मालिकी के दस्तावेज हेमाली को सौंपा था। मयुर पटेल ने बताया कि, लोग सामान्य रूप से अपने साथी को सोना या डायमंड के गहने देते है। लेकिन मैं इसे ऐसी गिफ्ट देना चाहता था जो आजीवन याद रहेगा। मेरी बहन ने मुझे चंद्र पर जमीन खरीदने का आइडिया दिया था। उसने इंटरनेट पर यह मामले में पढ़ा था। मैंने ऑनलाइन थोड़ा सा रिसर्च किया और बाद में निश्चित किया कि मुझे गिफ्ट में जमीन देना है। उल्लेखनीय है कि मयुर ने इन्टरनेशनल लुनार लैंड रजिस्ट्री का संपर्क किया। मयुर आगे बताते है कि कुछ संशोधन के बाद मैंने चंद्र पर एक एकड़ जमीन खरीदने का निर्णय लिया। बे ऑफ रेइन्बो क्षेत्र प्रेमियों के लिए माना जाता है, जहां मैंने जमीन खरीदी है। मैंने डीजिटल ट्रांजेक्शन किया है, हेमाली के नाम की मालिकी के मेरे पास डीजिटल दस्तावेज भी है।

खेडब्रह्मा नगर पालिका पर भाजपा का कब्जा, कांग्रेस के 4 सदस्यों ने भगवा धारण किया

साबरकांठा (ईएमएस) जिले के खेडब्रह्मा नगर पालिका में कांग्रेस के चार सदस्यों के भगवा धारण करने से नगर पालिका पर भाजपा कब्जा हो गया हैं हिम्मतनगर में साबरकांठा जिला भाजपा मुख्यालय में पार्टी के जिला प्रमुख जेडी पटेल की मौजूदगी में खेडब्रह्मा नगर पालिका के प्रमुख सागरकुमार पोपटभाई पटेल के अलावा ईश्वर वणजारा, मीना प्रजापति और पुष्पा सोनी ने भाजपा जॉइन कर लीँ कांग्रेस के चार सदस्यों के भगवा धारण करने से खेडब्रह्मा नगर पालिका पर भाजपा का शासन हो गया हैँ

भारत सरकार से अपील करता विडियो भेजा गया

पासपोर्ट जमा करने से फंस गये गुजराती विद्यार्थी

यूक्रेन पहुंचे विद्यार्थियों ने टेम्परारी रेसिडेंट परमिट के लिए उनके पासपोर्ट यूनिवर्सिटी में जमा कराया था

अहमदाबाद, १ मार्च।

रुपए, भोजन और दूसरी कई समस्या के बीच रूस यूक्रेन युद्ध के बीच यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए गये कई भारतीय विद्यार्थियों में सैंकड़ों ऐसे गुजराती विद्यार्थी है जो कि युद्धग्रस्त यूक्रेन से बाहर किस तरीके से निकलना इस मामले में मुश्किल में फंसे हुए है क्योंकि उनके पासपोर्ट तो यूनिवर्सिटी ऑफिस में जमा है और अभी तक उनको नहीं मिले हैं। यह विद्यार्थी है जो कि गत २८ जनवरी २०२२ से लेकर २२ फरवरी २०२२ के बीच यूक्रेन में लैंड हुए हैं। यानी कि रूस ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध करने के दो दिन पहले तक, यहां पहुंचने के बाद टेम्परारी रेसिडेंट परमिट के लिए यह विद्यार्थियों ने अपना पासपोर्ट यूनिवर्सिटी की ऑफिस में जमा कराया था। यह परमिट यूक्रेन में विदेशियों को दूसरा कोई अतिरिक्त वीजा बिना रहने की मंजूरी देते है। इस प्रकार की परमिट को वार्षिक स्तर पर रिन्यू की जाती है। कई ऐसे विद्यार्थी भी है जिनको पासपोर्ट अंतिम समय में उनको मिला था और इसकी वजह से वह यूक्रेन की जमीनी सीमा पोलैंड, रोमानिया, हंगेरी और स्लोवाकिया होकर भारत वापस आ सके थे। इसी तरीके से यूक्रेन में अभी भी फंसे सूरत की विद्यार्थिनी सेफाली सरवैया जो यूक्रेन के उत्तरपूर्व क्षेत्र में स्थित खारकीव नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस के कोर्स की पहले वर्ष की विद्यार्थी है यह करीब ४०० अन्य विद्यार्थियों के साथ पिछले चार दिन से बंकर में अपनी जान बचाने के लिए रहने के लिए मजबूर बनी है। गुजरात के सूरत की निवासी सरवैया ने कहा कि, हम यहां १५ विद्यार्थी है जिनके पास फिलहाल पासपोर्ट नहीं है। क्योंकि हमने यहां लाने के बाद टेम्परारी रेसिडेंट परमिट के लिए यह पासपोर्ट को हमने यूनिवर्सिटी की ऑफिस में सबमिट किया है। सरवैया ने ७ विद्यार्थी में से एक है जो ७ फरवरी को यूक्रेन पहुंचे थे। उसने अपनी स्थिति का वर्णन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को बंकर में अब भूखे रहने का समय आ सकता है।

गुजरात के कच्छ जिले में महसूस हुए भूकंप के झटके

कच्छ (ईएमएस)। गुजरात के कच्छ जिले में मंगलवार को सुबह 3.4 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिला प्रशासन ने बताया कि इससे किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान की कोई खबर नहीं है। गांधीनगर स्थित भूकंप अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने बताया कि भूकंप का झटका सुबह सात बजकर 50 मिनट पर दर्ज किया गया और इसका केंद्र जिले में रापड़ से 19 किलोमीटर पश्चिम दक्षिण-पश्चिम में था। गुजरात के कच्छ जिले में मंगलवार को सुबह 3.4 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिला प्रशासन ने बताया कि इससे किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान की कोई खबर नहीं है। गांधीनगर स्थित भूकंप अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने बताया कि भूकंप का झटका सुबह सात बजकर 50 मिनट पर दर्ज किया गया और इसका केंद्र जिले में रापड़ से 19 किलोमीटर पश्चिम दक्षिण-पश्चिम में था। धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी हुई है। इनर कोर, आउटर कोर, मैन्टल और क्रस्ट कोर। क्रस्ट और ऊपरी मैन्टल कोर को लिथोस्फेयर के नाम से जाना जाता है। ये 50 किलोमीटर की मोटी परत कई वर्गों में बंटी हुई है। इसे टैकटोनिक प्लेट्स कहा जाता है। ये टैकटोनिक प्लेट्स अपनी जगह पर हिलती-डुलती रहती हैं। जब ये प्लेट बहुत ज्यादा हिलने लगती है तो उसे भूकंप कहते हैं। ये प्लेट क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर दोनों ही तरह से अपनी जगह से हिल सकती हैं। भूकंप की तीव्रता को मापने के लिए रिक्टर स्केल का पैमाना इस्तेमाल किया जाता है। इसे रिक्टर मैग्नीटयूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के अंकों के आधार पर मापा जाता है। भूकंप को इसके केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है।

युद्ध की अपेक्षा सूरत का गल्लावाला बहुत ही वायरल

गल्ला पर लिखा यहां खड़े होकर युद्ध की बातें नहीं करें

रूस -यूक्रेन के बीच हो रहे युद्ध का आज छठ्ठा दिन है, तब पूरे विश्व की नजर इस युद्ध पर टिकी हुई है

सूरत, १ मार्च।

रूस और यूक्रेन के बीच हो रहे युद्ध का आज छठ्ठा दिन है, तब पूरे विश्व की नजर इस युद्ध पर टिकी हुई है। कभी क्या हो जाए और कब रूस परमाणु बम फोड़कर तीसरे विश्व युद्ध को निमंत्रण दे सकता है, अब यह युद्ध की चौतरफा आलोचना हो रही है। यह सभी के बीच सोशल मीडिया में युद्ध को लेकर चर्चा का बाजार गर्म देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया एक शक्तिशाली प्लेटफॉर्म है, इस पर विश्व में कहीं भी हो रही घटनाओं के मामले में लोगों को अवगत कराते है। अब रूस यूक्रेन के युद्ध की भयानक तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रही है। यह विडियो और फोटो देखकर कुछ तकवादी बुद्धिजीवी अपने अभिप्राय सोशल मीडिया पर दे रहे है। दूसरी तरफ सोशल मीडिया में चौतरफ चर्चा से कुछ लोग नाराज है। इसका सूरत में एक उदाहरण देखने को मिला है। हमने देखा होगा कि, क्रिकेट हो या राजनीति, युद्ध हो या अन्य कोई भी विषय पर लोग सबसे ज्यादा पान के गल्ले या चौक पर चर्चा करते है। अब सूरत के कीम में स्थित एक पान की दुकान स्थित है, तब दिनभर आते ग्राहकों के लिए एक नोटिस बोर्ड लगाया गया है। यह बोर्ड में दुकानदार ने लिखा है कि याहं काउंटर के पास खड़े होकर युद्ध की बातें नहीं करें। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार कीम क्षेत्र में स्थित एक पान के गल्ले के दुकान मालिक ने युद्ध की बातों से परेशान होकर लोगों को विनंती के साथ बोर्ड लगाया है। जिसमें फिलहाल सोशल मीडिया में काफी वायरल हो रहा है। बोर्ड में गल्ला के मालिक ने बताया है कि यहां काउंटर के पास खड़े होकर युद्ध की बातें नहीं करें। जबकि यह बोर्ड मामले में दुकानदार ने बताया है कि, यहां पूरे दिन में कई ग्राहक आते हैं और युद्ध की बातें करते हैं। जिसमें दोनों देशों को क्या करना चाहिए इस पर विचार विमर्श किया करते हैं। जिसकी वजह से मैं परेशान हो गया हूं। जिसकी वजह से मुझे यह बोर्ड लगाना पड़ा है।

पिक्सल प्लस डायग्नोस्टीक द्वारा सिनियर सीटीजन के लिए हेल्थ कार्ड पेश किया गया

अहमदाबाद,०१ मार्च

ढलती उम्र में वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल करना अत्यन्त आवश्यक हो गया है। विशेषतौर पर उनके स्वास्थ्य से जुड़ी बातों का ध्यान ३रहे इस उद्देश्य से पिक्सल प्लस डायग्नोस्टीक हेल्थ कार्ड दिया जा रहा है।

अहमदाबाद के निकोल स्थित पिक्सल प्लस डायग्नोस्टीक द्वारा समाज को हेल्थी व फिट रहने का संदेश भी जारी किया है। इस कारण सीनियर सीटीझन के लिए योग व हल्की फुल्की कसरत के लिए एक सेशन भी आयोजित किया गया। तत्पश्चात हेल्थ कार्ड लॉन्च किया गया।

कार्ड लॉन्च के अवसर पर १०० से भी अधिक वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहकर लाभान्वित हुए उनमें से ५०० से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य की जांच करवाई।

इस अवसरर पर डॉ. अश्विन सी. पटेल , डा. ईशान रूदानी,डा. स्मित रंगाणी और डॉ. कृणाल भट्ट उपस्थित रहे। कुछ वरिष्ठ नागरिको को उम्र के इस पड़ाव पर आर्थिक से लेकर कई तरह की समस्याएं होती है। जो रूटीन चेकअप करवाते हैं उन्हे मदद मिल सकने हेतु व्यवस्था की जा रहीहै। सही मायने में पिक्सल प्लस डायग्नोस्टीक का यह एक सेवायज्ञ है।

पश्चिम रेलवे

विरार-जोरावासण अनुभाग के बीच सेंट्रल ड्रेन का प्रावधान कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, छठवीं मंजिल, इंजी. विभाग, मुम्बई सेंट्रल, मुम्बई-400008 द्वारा नीचे उल्लेखित विवरण के अनुसार ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **कार्यपालकः** सीनि. डीईएन/नॉर्थ/बीसीटी, **निविदा सूचना सं. एवं तारीखः बीसीटी/21-22/264, दिनांक 28.02.2022; कार्य तथा स्थानः विरार-जोरावासण अनुभागः** सीनि. डीईएन/नॉर्थ अनुभाग के अधीन (i) **विरार-सूरत अनुभाग** फॉर्मेशन 250 किमी के चौड़ाकरण (ii) **विरार-सूरत**-टीबीआर-65.587 किमी., टीएफटीआर-18.00 किमी तथा टीएफआर-24.537 किमी के संबंध में ट्रेन के अवरोध से बचाने के लिए बारिश के पानी के त्वरित निपटान हेतु यार्ड में कटिंग में/अनुभाग के बीच कॉस्ट इन-सीटू ड्रेन तथा **पालघर, सफाले तथा केलवे रोड** में प्रीकॉस्ट ड्रेन द्वारा डाउन/अप मेन/लूप लाइन के बीच सेंट्रल ड्रेन का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागतः** रु. 7,94,64,995.43। **ईएमडीः** रु. 5,47,300/-। **जमा करने की तारीख एवं समय :** दिनांक 25.03.2022 को 15.00 बजे तक। **खुलने की तारीख एवं समयः** दिनांक 25.03.2022 को 15.30 बजे तक। 0750

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95